शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 290 | गुवाहाटी | बुधवार, 27 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें निराधार : कांग्रेस पेज 2
एनडीए की जीत को बताया राजनीतिक इतिहास के मील का पत्थर पेज 3
यह मोदी युग का भारत, जो घर में घुसकर मारता है : शेखावत पेज 5
खेल प्रशासन में ऐतिहासिक बदलाव : केंद्र सरकार ने बनाया राष्ट्रीय खेल बोर्ड ... पेज 7

डेमोग्राफी चेंज पर हाई-लेवल कमेटी गठित

जस्टिस नाओलेकर होंगे अध्यक्ष, गृह मंत्री ने किया एलान

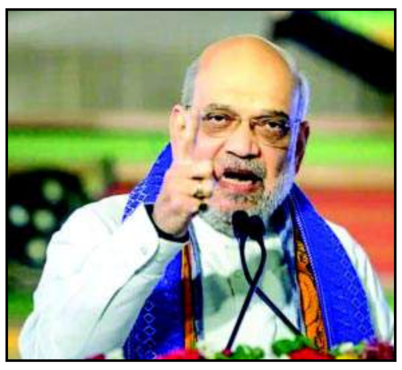

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठ और अन्य कारणों से अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन के देश के वर्तमान और भविष्य के लिए बहुत बड़ी चुनौती बताया है। घुसपैठ को लेकर सरकार ने एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। अमित शाह ने कहा कि घुसपैठ और अन्य कारणों से अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन किसी भी राष्ट्र के वर्तमान व भविष्य के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि इसी चुनौती से निपटने के लिए 15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने *हाई-लेवेल कमिटी ऑन डेमोग्राफी चेंज* की घोषणा की थी। मुझे बताते हुए हर्ष हो रहा है कि सरकार ने इस कमिटी का गठन कर लिया है। जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में बनी इस कमिटी में जनगणना आयुक्त के साथ दुर्गा शंकर मिश्रा (रिटायर्ड आईएएस), बालाजी श्रीवास्तव (रिटायर्ड आईपीएस) और डॉ. शमिका रवि समिति के सदस्य होंगे। संयुक्त सचिव (फोरेनर्स-आई), गृह मंत्रालय, इस समिति के सदस्य सचिव होंगे। जनसांख्यिकीय परिवर्तन हमारी संप्रभुता के साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून व्यवस्था, सामाजिक संरचना में गंभीर बदलाव और जनजातीय समाज के संरक्षण से जुड़ी एक गंभीर समस्या है। यह कमिटी, अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन का व्यापक मूल्यांकन करेगी और धार्मिक एवं सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या परिवर्तनों के पैटर्न का विश्लेषण करेगी तथा इसका सुनियोजित और समयबद्ध समाधान प्रस्तुत करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को अवैध प्रवासियों से होने वाले खतरों से बचाने के लिए एक *डेमोग्राफिक मिशन* की घोषणा की थी। 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने नागरिकों को देश की जनसांख्यिकी को बदलने की एक साजिश के प्रति सचेत किया। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा था कि -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने 2028 के लिए 10 लाख करोड़ की महत्वाकांक्षी अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा

गुवाहाटी। ऐतिहासिक चुनावी जनादेश और व्यस्त विधायी एजेंडा के साथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को राज्य के लिए एक महत्वाकांक्षी आर्थिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया और 2028 तक 10 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था का निर्माण करने का संकल्प लिया। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान बोलते हुए, शर्मा ने एनडीए की व्यापक जीत को राजनीतिक विजय के बजाय अपनी सरकार के विकास मॉडल के सार्वजनिक समर्थन के रूप में प्रस्तुत किया। शर्मा ने एनडीए के प्रदर्शन का विस्तृत विवरण देते हुए अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने न केवल 102 सीटें जीतीं, बल्कि उसके वोटों की संख्या में भी जबरदस्त वृद्धि हुई। अकेले भाजपा उम्मीदवारों को 81.92 लाख से अधिक वोट मिले, अगप को 14 लाख और बीपीएफ को 8 लाख वोट मिले, जिससे एनडीए का कुल वोट आंकड़ा 1 करोड़ के -शेष पृष्ठ दो पर

जनसांख्यिकीय अध्ययन पैनल का असम ने किया स्वागत

सीएम ने अवैध घुसपैठ संबंधी चिंताएं जताईं

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 26 मई को देश भर में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का अध्ययन करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने के केंद्र के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि असम लंबे समय से जनसांख्यिकीय बदलावों का गवाह रहा है और इस पहल को राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वदेशी समुदायों के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण बताया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इससे पहले अवैध आप्रवासन और -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में *होल्डिंग सेंटर* निर्देश के बाद घुसपैठियों में हड़कंप

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की शुभेंदु सरकार द्वारा *होल्डिंग सेंटर* बनाने के निर्देश के बाद उत्तर 24 परगना जिले के हाकिमपुर सीमा क्षेत्र में हलचल बढ़ गई है। मंगलवार सुबह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) चेकपोस्ट के पास बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को सामान के साथ जमा होते देखा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई लोग ट्रॉली बैग, बर्तन और कंबल लेकर सीमा पार जाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। प्लास्टिक बिछाकर समूहों में बैठे इन लोगों की नजर सीमा पार करने की प्रक्रिया शुरू होने पर टिकी रही। सोमवार को भी चेकपोस्ट के पास बनाए गए अस्थायी शिविर में करीब 100 बांग्लादेशी -शेष पृष्ठ दो पर

असम विस में महिला आरक्षण का समर्थन करने वाला प्रस्ताव पारित

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कांग्रेस पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाया। यह आरोप तब लगाया गया जब संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का समर्थन करने वाले सरकारी प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विपक्षी पार्टी ने विधानसभा से संक्षिप्त रूप से बहिर्गमन किया। शर्मा ने दावा किया कि कांग्रेस विधायकों को पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से निर्देश मिले थे कि प्रस्ताव पारित किये जाने के समय वे सदन में उपस्थित न रहें। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने तब समाजवादी पार्टी (सपा) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) जैसे अपने सहयोगियों की महिला विरोधी नीतियों के आगे घुटने टेक दिए, जब उन्होंने संसद में आरक्षण विधेयक को -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

राजनीति में अहंकार नहीं करना चाहिए : मुख्यमंत्री शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को असम विधानसभा के चालू सत्र के चौथे दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति में आने वाले लोगों में अहंकार नहीं होना चाहिए और जनप्रतिनिधियों को हमेशा जनता के प्रति जवाबदेह रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता जिस किसी को जिताने के साथ-साथ हराने की भी ताकत रखती है। उन्होंने कहा कि विकास का विरोध और अहंकार के कारण गौरव गोगोई को जोरहाट में चुनावी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि दो वर्ष पहले कांग्रेस नेता गौरव गोगोई जिस जगह से लोकसभा चुनाव जीते थे, आज उसी जगह से वे विधानसभा चुनाव हार गए। उन्होंने नए विधायकों को विनम्रता सीखने की सलाह देते हुए कहा कि अहंकार राजनीति का सबसे बड़ा शत्रु है। साथ ही उन्होंने विधायकों को हर वर्ष अपने निजी सहायकों को बदलने की भी सलाह दी। जुबीन गर्ग का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि -शेष पृष्ठ दो पर

यूसीसी से अल्पसंख्यक महिलाओं को मिलेगी उच्चतम सुरक्षा, असम सीएम ने विरोधियों को लताड़ा!

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को विधानसभा में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का बचाव करते हुए कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को अधिक सुरक्षा और न्याय दिलाना है। सदन में हुई चर्चा में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने राजनीतिक हितों से ऊपर सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दी और विधानसभा के पहले ही सत्र में धार्मिक अल्पसंख्यक महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से यूसीसी विधेयक पेश किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम यहां सिर्फ वोट बैंक की राजनीति के लिए नहीं आए हैं। अपने समर्थकों या राजनीतिक हितों के लिए कुछ भी करने से पहले, हमने सामाजिक न्याय के लिए समान नागरिक संहिता विधेयक पेश किया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रस्तावित विधेयक अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को उच्चतम स्तर की सुरक्षा प्रदान करेगा और विवाह, उत्तराधिकार और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित मामलों में उनके अधिकारों को मजबूत करेगा। उन्होंने विपक्षी दलों पर विधेयक के उद्देश्य को लेकर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यूसीसी अल्पसंख्यक समाजों की महिलाओं को अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। विधानसभा में हुई पिछली -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

अज्ञानी होना उतनी शर्म की बात नहीं हैं, जितना की सीखने की इच्छा ना रखना।

-अज्ञात

न्यूज गैलरी

त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा ने पीएम से की मुलाकात

नई दिल्ली (हि.स.)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान त्रिपुरा के समग्र विकास, सुशासन और संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि -शेष पृष्ठ दो पर

कलाहांडी में सेप्टिक टैंक में दम घुटने से छह की मौत

भुवनेश्वर (हि.स.)। ओडिशा के कलाहांडी जिले के मदनपुर रामपुर क्षेत्र अंतर्गत गौड़ कार्लाखुंटा गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में सेप्टिक टैंक के अंदर दम घुटने से छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में मृत छह लोगों में निमाई चरण पाल पिता गंगाधर -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-अमेरिका ने महत्वपूर्ण, दुर्लभ खनिज समझौते पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत और अमेरिका ने महत्वपूर्ण एवं दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति, खनन और प्रसंस्करण को सुरक्षित बनाने के लिए रणनीतिक समझौते पर मंगलवार को हस्ताक्षर किए। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्वाड बैठक से इतर इस पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद महत्वपूर्ण एवं दुर्लभ खनिजों से देश को चीन से निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस समझौते के तहत भारत और अमेरिका ने जरूरी खनिजों और दुर्लभ तत्वों की खनन और प्रसंस्करण में आपूर्ति सुनिश्चित करने पर एक ढांचा तैयार किया है। इसका -शेष पृष्ठ दो पर

जुबीन गर्ग मौत मामला : विशेष अदालत ने सात आरोपितों पर तय किए आरोप, 8 जून से शुरू होगी गवाही

गुवाहाटी (हि.स.)। बहुचर्चित जुबीन गर्ग मौत मामले में गुवाहाटी की विशेष फास्ट ट्रैक अदालत ने सभी सात आरोपितों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए हैं। जस्टिस शर्मिला भुइयां की अदालत ने मंगलवार को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत हत्या, आपराधिक साजिश और आपराधिक विश्वासघात जैसी गंभीर धाराओं में आरोप निर्धारित किए हैं। जिन आरोपितों के खिलाफ अदालत ने आरोप तय किए हैं उनमें श्यामकानु महंत, शेखरज्योति गोस्वामी, सिद्धार्थ शर्मा, अमृतप्रभा महंत, संदीपन गर्ग तथा दो निजी सुरक्षा अधिकारी नंदेश्वर बोरा और परेश बैश्य शामिल हैं। अदालत में प्रस्तुत दस्तावेजों और जांच रिपोर्ट के आधार पर चार मुख्य आरोपितों पर हत्या में प्रत्यक्ष संलिप्तता का आरोप लगाया गया है, जबकि दोनों निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) पर मुख्य रूप से आपराधिक विश्वासघात से संबंधित धाराएं लगाई गई हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा संकट

बंगाल पोलिटिक्स में टीएमसी के सौ पार्षदों ने छोड़ा साथ

कोलकाता। कभी शक्तिशाली रही ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस, बंगाल चुनावों में अपनी करारी हार के बाद कमजोर पड़ती नजर आ रही है। लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तीदार जैसे वरिष्ठ नेता खुलकर असंतोष व्यक्त कर रहे हैं, वहीं तृणमूल नियंत्रित नगर निकायों में अशांति के चलते सामूहिक इस्तीफे हो रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में विभिन्न नगरपालिकाओं के लगभग 100 पार्षदों ने इस्तीफा दे दिया है। इस -शेष पृष्ठ दो पर

यूएई से रातों-रात निकाले गए हजारों पाकिस्तानी नौकरी खत्म व मोबाइल जब्त, बैंक खाते तक हुए फ्रीज

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से बड़ी संख्या में पाकिस्तान के शिया मुसलमानों को निकाले जाने की खबरों ने पाकिस्तान में चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार कई लोग वर्षों तक यूएई में काम करने के बाद अचानक हिरासत में लिए गए और बिना तैयारी के पाकिस्तान भेज दिए गए। कुछ लोगों को अपना सामान तक लेने का मौका नहीं मिला। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह कार्रवाई 28 फरवरी के बाद तेजी से बढ़ी, जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले शुरू किए। इसके बाद ईरान ने भी खाड़ी क्षेत्र में जवाबी हमले किए, जिससे पूरे इलाके में तनाव बढ़ गया। पाकिस्तानी शिया नेताओं का कहना है कि इसी दौरान डिपोर्टेशन की रफ्तार अचानक बढ़ गई। मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन नाम के पाकिस्तानी शिया संगठन का दावा है कि 28 फरवरी से अब तक करीब 7,500 पाकिस्तानी शियाओं को यूएई से निकाला जा चुका है। संगठन के प्रवक्ता मोहसिन आबिदी का कहना है कि वास्तविक संख्या इससे भी ज्यादा हो सकती है। पाकिस्तान के कुर्रम जिले के सामुदायिक नेताओं का कहना है कि केवल उनके इलाके से ही लगभग 1,500 लोग वापस भेजे गए हैं। डिपोर्ट -शेष पृष्ठ दो पर

तमिलनाडु की कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

नाबालिग से रेप-हत्या के दोषी को 75 दिन में दोहरी फांसी की सजा

नई दिल्ली। तमिलनाडु में एक 17 साल की लड़की से रेप कर उसकी हत्या करने वाले दरिंदे को अदालत ने दोहरी मौत की सजा सुनाई है। मामला तूतीकोरिन जिले के एक रिमोट विलेज का है। अदालत ने फोरेंसिक सबूतों और एक विंडमिल में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को फैसले का आधार बनाया। दरअसल नाबालिग शौच के लिए बाहर गई थी, जिसे दोषी धर्ममुनीश्वरन ने रास्ते में रोक लिया। इसके बाद उसने पहले उसका बलात्कार किया और फिर हत्या कर दी। मामला सामने आने के बाद पुलिस जांच में जुटी थी, लेकिन उसे कोई सबूत नहीं मिल पा रहा था। पुलिस ने वेदानथम गांव और तूतीकोरिन शहर के बीच लगे सीसीटीवी कैमरों की लगभग 1 हजार घंटे की फुटेज खंगालनी शुरू की। तब जाकर क्राइम सीन के पास स्थित विंडमिल फार्म में लगे एक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

AFFIDAVIT

I, **DIPAK SINGHA,** Son of S Hemango Singha, aged about 44 years, by religion Hindu, resident of Amsing Jorabat, Sonapur Road, Bhairav Colony, Near Amchong Tea Estate, 10th Mile, P.O. Amsing Gaon, P.S. Satgaon, Guwahati-781027, District Kamrup (M), Assam. I have changed the name of my son from **SENJAM DHANISH SINGHA** to **DHANISH SINGHA** due to wrong mention as such he shall be known as **DHANISH SINGHA** for all purposes instead of **SENJAM DHANISH SINGHA** and it is a fact that both **DHANISH SINGHA** and **SENJAM DHANISH SINGHA** are actually one and same person having single identity i.e. my son vide affidavit before the Notary Kamrup (M) on 20.05.2026

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें निराधार : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ कांग्रेस हाईकमान की बैठक के बाद पार्टी ने दावा किया कि कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें निराधार हैं। बैठक में नेतृत्व परिवर्तन पर कोई चर्चा नहीं हुई है। पार्टी ने कहा है कि बैठक में केवल राज्यसभा और विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों को लेकर चर्चा हुई। कांग्रेस मुख्यालय में मंगलवार को दिनभर कई दौर की बैठकें हुईं। पहले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने चर्चा की। इसके बाद इन्हीं नेताओं ने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ अलग बैठक की। इन बैठकों के बाद केसी वेणुगोपाल ने सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के साथ पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आज की चर्चा केवल आगामी राज्यसभा और परिषद चुनावों पर केंद्रित रही। उन्होंने मीडिया में चल रही नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को महज कयास बताते हुए कहा कि इनमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक से राज्यसभा और विधान परिषद सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा अन्य राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और झारखंड की सीटों के साथ की जाएगी। इससे पहले मंगलवार दोपहर सिद्धारमैया दिल्ली स्थित कर्नाटक भवन में मंत्रियों जी परमेश्वर, सतीश जारकीहोली, एचसी महादेवप्पा, बैरथी सुरेश, केजे जॉर्ज और एमबी पाटिल के साथ नाश्ते पर मिले। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद और कानूनी सलाहकार पोनन्ना भी मौजूद रहे। इसके बाद वे इंदिरा भवन पहुंचे, जहां पार्टी हाईकमान के साथ बैठकें हुईं। उल्लेखनीय है कि सिद्धारमैया सोमवार को दिल्ली पहुंचे थे। उन्होंने उस समय पत्रकारों से कहा था कि पार्टी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने उन्हें मंगलवार सुबह 11 बजे पार्टी मुख्यालय बुलाया है लेकिन बैठक का एजेंडा उन्हें नहीं बताया गया। इसी के बाद से कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज हो गई थीं और चर्चा होने लगी थी कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।

हिमालय तक पहुंच गया प्रदूषण, गंगा के मैदान में पोल्यूशन 20 फीसदी बढ़ा : स्टडी में खुलासा

नई दिल्ली। एक स्टडी में पाया गया है कि केवल एक दशक में पीएम प्रदूषण 20 फीसदी ये ज्यादा बढ़ गया है। इसमें बिहार और पश्चिम बंगाल सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। इतना ही नहीं, मैदानों से निकलने वाला प्रदूषण अब हिमालय तक भी पहुंच रहा है। कोलकाता के बोस इंस्टीट्यूट ने यह स्टडी की है, जिसे *एटमॉस्फेरिक एनवायरनमेंट* जर्नल में प्रकाशित करवाया गया है। स्टडी में यह भी सामने आया है कि अभी तक देश में बायोमास जलाने की समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। अध्ययन से पता चला है कि थर्मल पावर प्लांट, बायोमास जलने और शहरी ठोस कचरा जलने से लगातार होने वाले उत्सर्जन से प्रदूषण की स्थिति गंभीर होते जा रही है। यह गंगा के मैदान, हिमालयी क्षेत्र और पूर्वोत्तर भारत के 25 सालों के डेटा पर आधारित एक सैटेलाइट स्टडी है। स्टडी में बताया गया है कि मैदानों में हो उत्सर्जन हो रहा है, वह सीधे हिमालय में एरोसोल की मात्रा को प्रभावित कर रहा है। एरोसोल वातावरण में धूल, कालिख और रासायनिक बूंदों जैसे सूक्ष्म ठोस या तरल कणों के सस्पेंशन को कहते हैं। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली का प्रदूषण हिमालय की पश्चिमी और मध्य श्रेणियों तक पहुंच रहा है और बिहार और पश्चिम बंगाल का प्रदूषण पूर्वी हिमालय को नुकसान पहुंचा रहा है। इससे पता चलता है कि पहाड़ों की हवा में भी अब वायु प्रदूषण घुल चुका है। हालांकि अध्ययन में ये पाया गया कि भारत के राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के कारण बिहार, पश्चिम बंगाल और असम में पार्टिकुलेट मैटर के स्तरों में मापने योग्य सुधार देखने को मिले। लेकिन ये राज्य अभी भी अभी भी कार्बनयुक्त एयरोसोल के हॉटस्पॉट बने हुए हैं। स्टडी से पता चला कि जो कार्बन प्रदूषण 2000-2009 के दौरान बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तरी पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा और बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में केंद्रित था, वह 2020-2024 तक पूरे पश्चिम बंगाल, बिहार, बांग्लादेश और असम, मेघालय और त्रिपुरा तक फैल गया।

यूनिफॉर्म सिविल कोड में *यूनिफॉर्म* शब्द की हो रही गलत व्याख्या : कांग्रेस

गुवाहाटी (हिंस)। असम में प्रस्तावित यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर कांग्रेस ने कड़ा विरोध जताया है। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि यूसीसी में *यूनिफॉर्म* शब्द की गलत व्याख्या की जा रही है और इसे समान रूप से लागू नहीं किया जा रहा। कांग्रेस विधायक जाकिर हुसैन सिकदार ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि कानून सभी नागरिकों के लिए समान व्यवस्था लाने की बात करता है, तो जनजातीय समुदायों को यूसीसी के दायरे से बाहर क्यों रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। वहीं, कांग्रेस विधायक नुरुल हुदा ने कहा कि वे कुरान के निर्देशों का ही पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि कुरान ने जो निर्देश दिया है, हम वही मानेंगे। उन्होंने भी यूनिफॉर्म सिविल कोड का विरोध किया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित यूसीसी धार्मिक और व्यक्तिगत अधिकारों को प्रभावित करेगा तथा पार्टी ने इस विधेयक के खिलाफ अपना विरोध जारी रखने की बात कही।

बांग्लादेश में सेना के ठिकानों पर आतंकियों ने चलाया बुलडोजर

ढाका। बांग्लादेश के चटगांव में आतंकवादियों ने सुरक्षा बल के ठिकानों पर ही बुलडोजर चला दिया है, जिसके बाद ढाका में बवाल मच गया है। दिलचस्प बात है कि जिस निर्माणाधीन ठिकानों पर आतंकियों ने बुलडोजर चलवाया है, उसका उद्घाटन 31 मई को बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन करने वाले थे। चटगांव में आतंकवादियों के इस दुस्साहस पर सरकार की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। बांग्लादेश की अखबार द डेली स्टार के मुताबिक सोमवार (25 मई) को रात 1 बजे के आसपास चटगांव के सीताकुंडा जिले के सालिमपुर के जंगल में स्थित आरएबी (रैपिड एक्शन बटालियन) और पुलिस के संयुक्त शिविर पर आतंकियों ने हमला किया। हमले के दौरान सेना के ऊपर एके-47 से अटैक किया गया। इस दौरान जब बांग्लादेश की सेना जवाबी कार्रवाई में मशगूल थी, तब उसके ठिकानों पर आतंकियों ने बुलडोजर चलवा दिया। इतना ही नहीं, आसपास की सड़कों पर भी बड़े-बड़े गड्ढे कर दिए गए, जिससे सेना की गाड़ी जंगल में न जा सके। बांग्लादेश आरएबी-7 के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल हाफिजुर का कहना है कि यासीन फोर्स के आतंकवादियों ने इस कृत्य को अंजाम दिया। बड़ी संख्या में आतंकवादी आए थे। सेना के कुछ ही जवान इस शिविर में थे। उन पर पहले हमला किया गया। फिर बुल्डोजर से उसके ठिकानों को ध्वस्त करवा दिया। स्थानीय पुलिस ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि आतंकियों को रोकने के लिए 90 राउंड की फायरिंग की गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सेना की तैनाती की गई है। गहन जांच की जा रही है। कुछ लोगों को मामले में पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया गया है। चटगांव के पास स्थित जिस जंगल में यह घटना हुई है, वो 3 हजार एकड़ की है। पहाड़ी इलाका होने की वजह से सेना का यहां दबदबा नहीं है। इसे हासिल करने के लिए बांग्लादेश की सेना लंबे समय से जद्दोजेहद कर रही है। चटगांव के इलाके में यह एक अपराधी ग्रुप था, जिसका सरगना यासीन है।

नई ग्रीष्मकालीन स्पेशल सेवाओं से यात्रियों की सुविधाएं बढ़ी

गुवाहाटी (हिंस)। गर्मियों में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, ट्रेन संख्या 07046/07047 की सेवाओं को दोनों दिशाओं में पांच-पांच अतिरिक्त फेरों के लिए बढ़ाया गया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि ट्रेन संख्या 07046 साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को 29 मई, से 26 जून, तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

कामाख्या रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा, करंट लगने से दो कर्मचारी घायल

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के कामाख्या रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया, जिसमें दो कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया है कि दोनों कर्मचारी 25 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन पर कार्य कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, काम चलने के दौरान अचानक विद्युत आपूर्ति चालू कर दी गई, जिसके चलते दोनों कर्मचारी करंट की चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल दोनों कर्मचारियों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना को लेकर रेलवे विभाग में भी हड़कंप मच गया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.170 PSC/CON/Exam-03/2026-2027

RESULT

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 26th May, 2026, the results of the recruitment to the post of **1) Lecturer (Geography) in INSTITUTE OF ADVANCED STUDIES IN EDUCATION (I.A.S.E.) under the Directorate of SCERT, Assam,** advertised vide No. 18/2024 dated 06/09/2024.

The interviews for the said posts were conducted by the Commission in collaboration with Experts deputed by the Govt. of Assam on 25th May, 2026. The Commission recommended the following candidate for the said post, in order of merit :

1. **Name of Post** : **Lecturer (Geograpy) in Institute of Advanced Studeis in Education (I.A.S.E.)**
   Total No. of post : **1** (RFW : Nil)
   Break-up : OC : 1 (RFW : Nil)

Postion	Roll No.	Name of Candidate	Category	Gender	Recommended against Vacancy
1	20002	JADU CHANDRA SARKAR	SC	M	OPEN CATEGORY

● Results may be accessed through the APSC's website www.apsc.nic.in

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- DIPR /D/VBS-22/27-May-26

पृष्ठ एक का शेष

डेमोग्राफी चेंज पर...

मैं राष्ट्र को एक चिंता, एक चुनौती के बारे में सचेत करना चाहता हूं। एक सोची-समझी साजिश के तहत, देश की जनसांख्यिकी को बदला जा रहा है, और एक नए संकट के बीज बोए जा रहे हैं। ये घुसपैठिए मेरे देश के युवाओं की रोजी-रोटी छीन रहे हैं। वे हमारी बहनों और बेटियों को निशाना बना रहे हैं। वे आदिवासियों को गुमराह कर रहे हैं और उनकी जमीनें हड़प रहे हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा की इस चुनौती से निपटने के लिए एक *उच्च-शक्ति वाले जनसांख्यिकी मिशन* को शुरू करने की घोषणा की, ताकि भारत के नागरिकों की एकता, अखंडता और अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जनसांख्यिकीय अध्ययन पैनल ...

अन्य अप्राकृतिक कारणों से उत्पन्न भारत भर में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का आकलन करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नौलेकर की अध्यक्षता में एक समिति के गठन की घोषणा की थी। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि अवैध घुसपैठ और जनसांख्यिकीय परिवर्तन किसी एक राज्य तक सीमित मुद्दे नहीं हैं, बल्कि ये राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक संतुलन से जुड़ी चुनौतियां हैं। अवैध घुसपैठ और असामान्य जनसांख्यिकीय परिवर्तन केवल किसी एक राज्य की चिंता का विषय नहीं है, बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक संतुलन से जुड़ा एक गंभीर मुद्दा है, शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा। मुख्यमंत्री ने समिति को *दूरदर्शी और निर्णायक कदम* बताते हुए कहा कि यह पैनल देश भर में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का अध्ययन करेगा और उनसे निपटने के उपायों की सिफारिश करेगा। अमित शाह जी के सक्रिय नेतृत्व में, यह समिति देश भर में हो रहे असामान्य जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का अध्ययन करेगी और ठोस समाधान प्रस्तुत करेगी। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा और मजबूत होगी और सीमावर्ती क्षेत्रों की चिंताओं का गंभीरता से समाधान संभव हो सकेगा, शर्मा ने कहा। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मुद्दा असम के लिए लंबे समय से चिंता का विषय रहा है और उन्होंने जोर देकर कहा कि यह पहल सांस्कृतिक विरासत, आदिवासी समुदायों और स्वदेशी अधिकारों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि यह पहल हमारी सांस्कृतिक विरासत, आदिवासी समाज और स्वदेशी लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। हमें विश्वास है कि यह समिति भारत के भविष्य को सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पैनल की घोषणा करते हुए शाह ने कहा कि घुसपैठ और अन्य कारक *अस्वाभाविक* जनसांख्यिकीय परिवर्तनों में योगदान दे रहे हैं जो देश के लिए दीर्घकालिक चुनौतियां पैदा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के बारे में बात करते हुए कहा था कि अवैध घुसपैठ और सीमावर्ती क्षेत्रों की जनसांख्यिकी में बदलाव से राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा हो सकती हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने ...

पार पहुंच गया। उन्होंने आगे कहा कि एनडीए ने अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सभी सीटों और चाय बागान जनजातियों के प्रभुत्व वाली सीटों पर जीत हासिल की, जबकि अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी सीटों में से एक को छोड़कर बाकी सभी सीटों पर जीत दर्ज की। आर्थिक मोर्चे पर, शर्मा ने नीति आयोग के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि असम की लगभग 35 प्रतिशत आबादी गरीबी से बाहर निकल चुकी है, जिससे एक नए, महत्वाकांक्षी मध्यम वर्ग के उदय को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि राज्य की गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) रहने वाली आबादी वर्तमान में लगभग 17 प्रतिशत है और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इसे पांच वर्षों के भीतर और कम करके 2 से 3 प्रतिशत के बीच लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज असम में एक मजबूत मध्यम वर्ग का उदय हो रहा है, जो बदले में शिक्षित युवाओं और अधिक सक्षम पेशेवरों का निर्माण करता है, उन्होंने गरीबी उन्मूलन को राज्य की व्यापक आर्थिक महत्वाकांक्षाओं की नींव के रूप में वर्णित किया। शर्मा द्वारा प्रस्तुत किए गए सबसे महत्वपूर्ण आंकड़ों में से एक असम में मातृ स्वास्थ्य सेवा में आया परिवर्तन था। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने 2016 में स्वास्थ्य मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था, तब राज्य में मातृ मृत्यु दर 480 थी। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की रिपोर्ट के अनुसार, एक दशक के निरंतर हस्तक्षेपों के परिणामस्वरूप यह आंकड़ा घटकर 84 हो गया है, जिसे उन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि और राज्य के व्यापक शासन सुधार का एक माप बताया। शर्मा ने असम की औद्योगिक महत्वाकांक्षाओं के बारे में विस्तार से बात की, जिसमें उन्होंने तीन प्रमुख परियोजनाओं पर प्रकाश डाला, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे राज्य की आर्थिक पहचान को नया आकार दे रही हैं: जगीरोड में एक सेमीकंडक्टर संयंत्र, नामरूप में एक उर्वरक निर्माण इकाई और चपर में एक प्रस्तावित थर्मल पावर परियोजना। बुनियादी ढांचे के मुद्दे पर, शर्मा ने शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने की एक व्यापक योजना प्रस्तुत की - असम में वर्तमान में 14 मेडिकल कॉलेज हैं, और 11 और निर्माणाधीन हैं। उन्होंने राज्य के प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज, एक इंजीनियरिंग कॉलेज और एक विश्वविद्यालय स्थापित करने के सरकार के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दोहराया। शर्मा ने मौजूदा चुनौतियों को भी स्वीकार किया। उन्होंने अवैध आप्रवासन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और स्वदेशी भूमि अधिकारों की सुरक्षा की आवश्यकता पर बल दिया, विशेष रूप से चार क्षेत्रों में, जो नदी के किनारे स्थित द्वीप हैं जहां विस्थापन और अतिक्रमण लगातार चिंता का विषय बने हुए हैं। उन्होंने कार्बी आंग्लांग, बोडोलैंड, बराक घाटी और दीमा हसाओ के विकास और सुरक्षा पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया, जिससे यह संकेत मिलता है कि सरकार के विकास एजेंडे को असम के अधिक परिधीय और ऐतिहासिक रूप से उपेक्षित क्षेत्रों तक पहुंचने की आवश्यकता होगी।

बंगाल में होल्डिंग ...

घुसपैठिए मौजूद थे, जबकि 30 से 40 अन्य लोग बाहर इंतजार कर रहे थे। हाल ही में प्रदेश की नई सरकार ने अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को उनके देश वापस भेजने के लिए विशेष होल्डिंग सेंटर बनाने के निर्देश जारी किए हैं। सरकार ने जिलाधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में होल्डिंग सेंटरों को बनाने और आगे की कार्रवाई जल्द से जल्द शुरू करने को कहा है। पिछले वर्ष अक्तूबर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की घोषणा के बाद भी इसी तरह की स्थिति देखने को मिली थी। उस समय न्यूटाउन, दमदम और डानकुनी क्षेत्रों से कई अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के हाकिमपुर सीमा के रास्ते बांग्लादेश लौटने की खबरें सामने आई थीं।

असम विस में महिला...

पारित होने से रोक दिया था। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री अजंता नियोग ने सोमवार को प्रस्ताव पेश किया कि महिलाओं की शक्ति का सम्मान करने और महिलाओं के समग्र विकास और सशक्तीकरण को सुनिश्चित करने के लिए, परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद संसद और सभी विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना चाहिए। जब शर्मा ने प्रस्ताव पर बोलना शुरू किया, तो भाजपा विधायक भुवन पेगू द्वारा अपने भाषण में कांग्रेस के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए कांग्रेस और रायजोर दल के विधायक कुछ देर के लिए सदन से बाहर चले गए। हालांकि, प्रस्ताव पर चर्चा शुरू होने से पहले कांग्रेस सदस्य वापस सदन में लौट आए। प्रस्ताव का समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में देवी कामाख्या से लेकर अहोम राजकुमारी जॉयमोती और स्वतंत्रता सेनानी कनकलता तक, नारी शक्ति को सम्मान देने की एक समृद्ध परंपरा रही है। उन्होंने राज्य में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 40 लाख महिलाओं के योगदान का भी उल्लेख किया, जो अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रही हैं। इसके बाद ध्वनि मत से प्रस्ताव पारित कर दिया गया।

राजनीति में अहंकार ...

कांग्रेस ने उनके नाम का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की, लेकिन जनता ने उसे नकार दिया। उन्होंने कहा कि इस चुनावी जनादेश ने कांग्रेस के सत्ता में आने के सपने को भी समाप्त कर दिया और पार्टी की सीटें घटकर 19 रह गईं। यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे लागू करने का उद्देश्य अल्पसंख्यक महिलाओं को सुरक्षा और समान अधिकार प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि यूसीसी के जरिए बाल विवाह और बहुविवाह जैसी कुप्रथाओं पर रोक लगेगी तथा अल्पसंख्यक महिलाएं स्वतंत्र और सम्मानजनक जीवन जी सकेंगी। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव जीतने के उद्देश्य से उनके परिवार के खिलाफ योजनाबद्ध व्यक्तिगत हमले किए और फर्जी पासपोर्ट जैसे *बेबुनियाद आरोप* लगाए। उन्होंने कहा कि असम की जनता ने व्यक्तिगत हमलों की राजनीति को खारिज करते हुए विकास के पक्ष में अपना समर्थन दिया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने ईद-उल-जोहा के अवसर पर राज्य के बड़े हिस्से के इस्लामिक समाज द्वारा गो-धन की कुर्बानी नहीं देने के निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम हिंदू-मुस्लिम समुदायों के बीच विश्वास और सौहार्द को मजबूत करेगा। उन्होंने इसे असम की सामाजिक समरसता के लिए शुभ संकेत बताया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आगामी पांच वर्षों में उन अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में विकास की नई लहर पहुंचेगी, जहां भाजपा को समर्थन नहीं मिला। साथ ही उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2031 तक कांग्रेस के लिए अल्पसंख्यक बहुल सीटें सुरक्षित नहीं रहेंगी और राज्य की राजनीतिक तस्वीर बदल जाएगी।

यूसीसी से अल्पसंख्यक...

बहस को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने रायजोर दल के एक विधायक के साथ हुई अपनी पिछली बातचीत का जिक्र किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य 2028 तक 10 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है। असम विधानसभा में बोलते हुए शर्मा ने बताया कि राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 2021-22 में 4 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर वर्तमान में अनुमानित 8.72 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो 13 से 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि इस अभूतपूर्व गति के साथ, असम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विजन को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। वित्त मंत्रालय ने 2 फरवरी को बताया कि असम को 2014 से 2026 तक कर हस्तांतरण और केंद्रीय अनुदान के रूप में 5.61 लाख करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) के तहत असम को 17,000 करोड़ रुपए से अधिक का ब्याज-मुक्त ऋण प्रदान किया गया है। यह योजना वित्त आयोग की सिफारिशों से परे, टिकाऊ अवसंरचना के विकास के लिए केंद्र से 50 वर्षों के लिए ब्याज-मुक्त ऋण प्रदान करती है। मंत्रालय ने आगे बताया कि वित्त वर्ष 2020 से 2026 (12 जनवरी, 2026 तक) के बीच, राज्य को एसएएससीआई के तहत 17,104 करोड़ रुपए प्राप्त हुए, जिससे बड़े पैमाने पर अवसंरचना और परिसंपत्ति निर्माण में सहायता मिली। इस बीच, सोमवार को असम के संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की ओर से असम विधानसभा में *समान नागरिक संहिता विधेयक, 2026* पेश किया। इस विधेयक पर 27 मई को चर्चा और पारित होने की उम्मीद है।

भारत-अमेरिका ने महत्वपूर्ण...

मकसद खनन, प्रसंस्करण, पुनर्चक्रण और उससे जुड़े निवेश सहित महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ तत्वों की आपूर्ति शृंखला में भारत-अमेरिका सहयोग को और गहरा करना है। इसका लक्ष्य मजबूत और विविधीकृत आपूर्ति शृंखला तैयार करना है, साथ ही इन संसाधनों के वित्तपोषण और प्रभावी प्रबंधन में सहयोग को बढ़ावा देना है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह समझौता फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वाशिंगटन दौरे के दौरान तय किए गए विजन को आगे बढ़ाने में एक अहम पड़ाव है। योस्ट्रेटेजिक एंगेजमेंट (फोर्ज) पहल के तहत भी साझेदारी कर रहे हैं।

जुबीन गर्ग मौत मामला...

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया उपलब्ध साक्ष्य आरोप तय करने के लिए पर्याप्त हैं। इसके बाद अदालत ने सभी आरोपितों के खिलाफ मुकदमे की औपचारिक प्रक्रिया आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। अदालत के इस फैसले के बाद अब मामले की नियमित सुनवाई और गवाहों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। मृतक जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग ने अदालत के फैसले पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और अदालत द्वारा आरोप तय किया जाना न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी सुनवाई में सच्चाई सामने आएगी और दोषियों को सजा मिलेगी। इस मामले की जांच कर रही असम पुलिस सीआईडी की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अदालत में विस्तृत आरोपपत्र दाखिल किया है। जांच एजेंसी का दावा है कि सिंगापुर में पूर्व नियोजित साजिश के तहत जुबीन गर्ग की हत्या की गई थी। एसआईटी के अनुसार, वित्तीय अनियमितता, कारोबारी हितों का टकराव और पेशागत विवाद इस कथित साजिश की प्रमुख वजहें थीं। जांच एजेंसी ने यह भी दावा किया है कि आरोपितों ने योजनाबद्ध तरीके से घटना को अंजाम दिया और बाद में सबूतों को प्रभावित करने का प्रयास किया। मामले में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, वित्तीय लेन-देन और कई गवाहों के बयान को जांच का महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है। अदालत द्वारा आरोप तय किए जाने के बाद अब इस चर्चित मामले की सुनवाई और तेज हो गई है। अदालत ने आगामी 8 जून से गवाहों की गवाही शुरू करने की तिथि निर्धारित की है। मामले पर पूरे असम सहित देशभर की नजर बनी हुई है।

बंगाल पोलिटिक्स में ...

राजनीतिक उथल-पुथल ने भाजपा को उन नगर निकायों में अपनी पकड़ मजबूत करने का अवसर दिया है जो काफी हद तक तृणमूल के नियंत्रण में हैं। संकट इतना गंभीर हो गया है कि अगले साल होने वाले नगर निगम चुनावों से पहले ही कई नगर निगम बोर्डों को भंग किया जा सकता है। आजतक बांग्ला के अनुसार, ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि ममता के करीबी सहयोगी और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने इस्तीफा देने की इच्छा जताई है। हालांकि ममता ने हाल ही में पार्षदों से इस्तीफा न देने का आग्रह किया था, लेकिन बंगाल के नगर निकायों में उथल-पुथल के संकेत लगभग हर दिन सामने आ रहे हैं। निस्संदेह, यह तृणमूल के लिए सबसे गंभीर संकट है, जब से ममता ने 1998 में कांग्रेस से अलग होकर पार्टी बनाई थी। पहले के मौकों पर, ममता ने एकजुटता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई थी। लेकिन अब हालात अलग हैं। सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद इस्तीफे की लहर शुरू हुई कि स्थानीय निकायों की पिछली गतिविधियों की गहन जांच की जाएगी और उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। कुछ नगरपालिकाओं में, टीएमसी पार्षदों ने अपने कार्यालयों में जाना पूरी तरह बंद कर दिया है।

यूएई से रातों-रात निकाले ...

किए गए कई लोगों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए, फोन जब्त कर लिए गए, नौकरी खत्म कर दी गई, बिना कारण बताए हिरासत में रखा गया और बाद में फ्लाइट में बैठाकर पाकिस्तान भेज दिया गया। कुछ लोगों ने दावा किया कि पूछताछ में उनसे पूछा गया क्या तुम ईरान को फंड देते हो? एक व्यक्ति, जिसने 16 साल तक दुबई मेट्रो में काम किया, ने दावा किया कि पुलिस ने उसका फोन छीन लिया, हथकड़ी लगाई और 9 दिन तक हिरासत में रखा। उसके बाद उसे अन्य लोगों के साथ एक बस में एयरपोर्ट भेज दिया गया। उसने कहा कि एक पल में सब खत्म हो गया, मैं फिर से शून्य पर आ गया। अली अहमद नकवी और उनकी पत्नी कुरतुल ऐन ने बताया कि वे टेक्नोलॉजी सेक्टर में काम करने दुबई गए थे।

नाबालिग से रेप-हत्या ...

अकेले कैमरे की फुटेज से उसे लीड मिली। अपराध के समय आरोपी द्वारा पहनी गई शर्ट से लिए गए नमूने लड़की के ब्लड ग्रुप से मैच हो गए। वहीं पीड़िता के गुप्तांगों से लिए सीमन सैंपल भी डीएनए जांच में दोषी से मेल खा गए। वारदात के ठीक 75 दिन बाद अदालत ने अपना फैसला सुना दिया और आरोपी को दोहरी मौत की सजा का एलान किया। पुलिस ने महज 21 दिन में ही चार्जशीट फाइल कर दी थी। धर्ममुनीश्वरन ने उसी रात रामनाथपुरम जिले के पार्थिबनूर से बाइक चुराई थी और उसका नंबर प्लेट 5370 से बदलकर 6870 कर दिया था। पुलिस ने बताया कि वह फरवरी में अपने दोस्तों के साथ रेगुलर तौर पर वेदानथम जाता था और उसी बाइक से आने-जाने के रास्तों की रेकी करता था।

त्रिपुरा के सीएम...

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर राष्ट्र सेवा के 12 वर्ष पूरे करने पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में आधारभूत ढांचे का विकास, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी पहल के जरिए करोड़ों लोगों को लाभ मिला है तथा भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री को *माता त्रिपुरा सुंदरी मंदिर* और इसके पुनर्विकसित परिसर की तस्वीर भी भेंट की।

कलाहांडी में सेप्टिक ...

पाल, आकाश पाल पिता निमाई चरण पाल, आदल माझी पिता विष्णु माझी, बैकुंठ जाल पिता मधु जाल, मनोरंजन हाथी पिता धनसागर हाथी, छांद जाल पिता बलदेव जाल शामिल हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक के अंदर लगे सेंट्रिंग ढांचे को हटाने के लिए कुछ मजदूर टैंक में उतरे थे। इसी दौरान टैंक के भीतर जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण वे बेहोश हो गए। उन्हें बचाने के प्रयास में एक के बाद एक अन्य लोग भी टैंक में उतरे, लेकिन वे भी दम घुटने से अचेत हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय ग्रामीणों और प्रशासन ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चलाया और सभी लोगों को टैंक से बाहर निकाला। सभी को तत्काल मदनपुर रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। घायल व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसका इलाज जारी है। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है। मदनपुर रामपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है।

एक्सरसाइज प्रगति 2026 में छाए के9 वारियर्स

गुवाहाटी (हिंस)। एक्सरसाइज प्रगति 2026 के दौरान बहुराष्ट्रीय सैन्य प्रशिक्षण और टैक्टिकल ड्रिल्स के बीच भारतीय सेना के के9 वारियर्स सबसे बड़ा आकर्षण बने। मित्र देशों की सेनाओं के साथ प्रशिक्षण लेते हुए इन सैन्य कुत्तों ने आधुनिक ऑपरेशनों में अपनी अहम भूमिका को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया। आईईडी डिटेक्शन से लेकर ट्रैकिंग और इंटरवेंशन ऑपरेशंस तक, के9 टीमों ने दिखाया कि प्रशिक्षित सैन्य कुत्ते खतरनाक परिस्थितियों में भी कितने महत्वपूर्ण सिद्ध होते हैं। इस प्रदर्शन में एलन (बेल्जियन मैलिनोइस हमलावर कुत्ता), विक्टर (रामपुर हाउंड ट्रैकर कुत्ता) और डीईओ (लैब्राडोर विस्फोटक-पहचान कुत्ता) प्रमुख रूप से शामिल रहे, जिन्होंने अपने-अपने विशेष कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। डेमो का एक खास आकर्षण भारत की स्वदेशी नस्ल रामपुर हाउंड की भागीदारी रही, जिसका प्रतिनिधित्व विक्टर ने किया। जलवायु सहनशीलता, मजबूती और रोग प्रतिरोध जैसी खूबियों के कारण स्वदेशी नस्लों को अब तेजी से सेना की ऑपरेशनल भूमिकाओं में शामिल किया जा रहा है, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। के9 वारियर्स ने रेगिस्तान से लेकर ग्लेशियर तक विभिन्न भू-भागों में अपनी उपयोगिता का प्रदर्शन किया। अधिकारियों के अनुसार, ये कुत्ते विस्फोटक खोज, दुश्मन की मूवमेंट ट्रैकिंग और इंटरवेंशन टीमों के समर्थन जैसे कार्यों में निरंतर अहम भूमिका निभाते आ रहे हैं। गति, सहज प्रवृत्ति, साहस और वफादारी का अनोखा संयोजन उन्हें वास्तविक युद्ध में *साइलेंट फोर्स मल्टीप्लायर* बनाता है। अभ्यास में रोबोटिक डॉग्स भी शामिल रहे, जिन्होंने भविष्य के सैन्य अभियानों में तकनीक और प्रशिक्षित के 9 क्षमताओं के बीच विकसित होते सामंजस्य को प्रदर्शित किया। पारंपरिक अनुभव और आधुनिक तकनीक का यह संयोजन भविष्य की ऑपरेशनल क्षमता को और सशक्त बनाने वाला माना जा रहा है।

विधानसभा में मुख्यमंत्री का बयान

एनडीए की जीत को बताया राजनीतिक इतिहास के मील का पत्थर

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा अधिवेशन के चौथे दिन मंगलवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि भाजपा नीत गठबंधन ने लगभग एक करोड़ मतदाताओं का समर्थन प्राप्त कर 102 सीटों पर जीत दर्ज करते हुए राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि भाजपा को 82 लाख, असम गण परिषद (अगप) को 14 लाख तथा बीपीएफ को 8 लाख वोट प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार गठबंधन को राज्य के लगभग 50 प्रतिशत मतदाताओं का समर्थन मिला। डॉ. शर्मा ने अपने संबोधन में हिंसामुक्त असम की दिशा में सरकार की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य में बम विस्फोट और आंदोलनकारी हिंसा की घटनाओं में काफी कमी

आई है तथा असम अब शांति के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विभिन्न शांति समझौतों के जरिए करीब 6000 युवक मुख्यधारा में लौटे हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में सक्रिय उल्फा उग्रवादियों की संख्या में भी उल्लेखनीय कमी आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शपथ लेने के दिन से ही वे राज्य की जनता की आकांक्षाओं पर खरा उतरने की कोशिश में लग गए हैं। उन्होंने कहा कि दो लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने के अपने वादे पर हुए खरे उतारने के लिए रोड मैप तैयार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की महिलाएं राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दें, इसके लिए उनकी सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। महिलाएं रसोई घर संभालने के साथ ही परिवार की अर्थव्यवस्था को भी संभालना चाहती हैं, इसलिए उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सरकार कार्य कर रही है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत में हुई वृद्धि तथा महंगाई को लेकर भी चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई चर्चा में उठाए गए प्राय: सभी मुद्दों पर जवाब देने की चेष्टा की। मुख्यमंत्री आज विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब दे रहे थे।

रोहा में देर रात भ्रष्टाचार निरोधक शाखा की छापेमारी

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के राहा में मंगलवार देर रात भ्रष्टाचार निरोधक एवं सतर्कता शाखा ने मछली पालन विभाग के पूर्व अधिकारी ज्योतिप्रसाद सैकिया के आवास पर छापेमारी अभियान चलाया। सूत्रों के अनुसार, भ्रष्टाचार निरोधक टीम ने जांच के सिलसिले में यह कार्रवाई की। अभियान के बाद पूर्व अधिकारी ज्योतिप्रसाद सैकिया को पूछताछ के लिए भ्रष्टाचार निरोधक कार्यालय ले जाया गया। बताया गया है कि ज्योतिप्रसाद सैकिया ने चुनाव लड़ने के उद्देश्य से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ली थी। उन्होंने कांग्रेस से टिकट की भी मांग की थी। मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी और जांच के कारणों का अभी इंतजार किया जा रहा है।

गवर्नर ने नलबाड़ी के जगरा गांव में मॉडल विलेज डेवलपमेंट प्रोग्राम का उद्घाटन किया

गुवाहाटी। असम के गवर्नर श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज नलबाड़ी जिले के जगरा गांव में मॉडल विलेज डेवलपमेंट प्रोग्राम का उद्घाटन किया और गांवों को होलिस्टिक और सस्टेनेबल डेवलपमेंट के सेंटर में बदलने के लिए मिलकर कोशिश करने की अपील की। इस मौके पर बोलते हुए, गवर्नर श्री आचार्य ने कहा कि एक आइडियल गांव की असली ताकत लोगों की एक्टिव हिस्सेदारी में होती है। उन्होंने गांव के ऑल-राउंड डेवलपमेंट के लिए पढ़े-लिखे युवाओं, किसानों, महिला ग्रुप्स, वॉलंटरी ऑर्गनाइजेशन्स और पंचायत रिप्रेजेंटेटिव्स को मिलकर काम करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने एक मॉडल रूरल कम्युनिटी बनाने में एजुकेशन, हेल्थकेयर, एग्रीकल्चर, सैनिटेशन, महिला एम्पावरमेंट और एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन की अहमियत पर भी जोर दिया। महात्मा गांधी के विजन कि *भारत अपने गांवों में रहता है* का जिक्र करते हुए, गवर्नर ने कहा कि रूरल डेवलपमेंट देश बनाने की नींव है। उन्होंने प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी के *विकसित भारत* और *आत्मनिर्भर भारत* के विजन पर भी जोर दिया, और कहा कि मजबूत गांव ही एक मजबूत देश बनाएंगे। गवर्नर

ने भारत विकास परिषद, असम प्रांत और इसके सहयोगी संस्थानों जैसे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, रांची, असम एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, जोरहाट, असम वेटेरिनरी एंड फिशरीज यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी खानापाड़ा और सोनापुर के प्रयासों की तारीफ की। उन्होंने खास तौर पर असम की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए साइंटिफिक खेती के तरीकों, ऑर्गेनिक खेती, पानी बचाने और मॉडर्न टेक्नोलॉजी को पारंपरिक खेती के ज्ञान के साथ जोड़ने के महत्व पर जोर दिया। ग्रामीण बदलाव में युवाओं और महिलाओं की भूमिका पर जोर देते हुए, श्री आचार्य ने कहा कि डिजिटल लिटरेसी, एग्री-एंटरप्रेन्योरशिप, सेल्फ-हेल्प ग्रुप और स्किल डेवलपमेंट गांवों को आत्मनिर्भर और खुशहाल बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। गवर्नर ने *नशा मुक्त भारत* बनाने के महत्व पर भी जोर दिया और लोगों, खासकर युवाओं से, नशे की लत से दूर रहने और एक स्वस्थ और अनुशासित समाज बनाने की दिशा में काम करने की अपील की। पर्यावरण बचाने की जरूरत पर जोर देते हुए, उन्होंने सभी से ज्यादा पेड़ लगाने और दूसरों को एक हरे-भरे और टिकाऊ भविष्य के लिए प्लांटेशन ड्राइव में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करने की अपील की। प्रोग्राम के तहत, करीब 200 किसानों और बेनिफिशियरी को मिट्टी टेस्टिंग किट, चावल के बेहतर किस्म के बीज, असम नींबू के पौधे, वर्मी बेड, 2,000 पोल्ट्री चूजे और चारा दिया गया। इस मौके पर गवर्नर ने गांववालों और 54 नंबर के स्टूडेंट्स के साथ लंच भी किया। जगरा एलपी स्कूल देश का सबसे अच्छा स्कूल है। बोरखेत्री विधानसभा सीट के एमएलए नारायण डेका, असम एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. दीपज्योति राजखोवा, असम एनिमल हसबैंड्री और वेटरनरी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर निरंजन कलिता, भारत विकास परिषद, नॉर्थ-ईस्ट रीजन के रीजनल जॉइंट सेक्रेटरी बिस्वजीत डे, परिषद की असम स्टेट यूनिट के पैट्रन कमल मल्ला बुजरबरुवा, परिषद की असम स्टेट यूनिट के प्रेसिडेंट किशोर कुमार बरुवा और कई दूसरे बड़े लोग इस मौके पर मौजूद थे।

एसएसबी और वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

अवैध लकड़ी और पत्थरों से लदे वाहन जब्त, दो गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने भारत-भूटान सीमा पर तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। सीमा चौकी दादागिरी की टीम ने वन विभाग, शांतिपुर के साथ मिलकर चलाए गए एक संयुक्त विशेष अभियान में अवैध रूप से लकड़ी और पत्थरों की तस्करी कर रहे दो वाहनों को जब्त किया है। इस कार्रवाई में दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। एसएसबी सूत्रों के अनुसार, 25 मई 2026 को सीमा चौकी दादागिरी को भारत-भूटान सीमा क्षेत्र में तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी। इसके आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसएसबी और वन विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से गश्त शुरू की। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने दो अलग-अलग स्थानों पर तस्करी के प्रयास को नाकाम किया। सीमा

स्तंभ संख्या 169/5 से लगभग 14.5 किलोमीटर अंदर शांतिपुर क्षेत्र में टीम ने अवैध लकड़ियों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा और एक तस्कर को गिरफ्तार किया। इसी क्षेत्र के पास (सीमा स्तंभ 169/5 से लगभग 14 किलोमीटर दूर) पत्थरों से लदे एक डंपर को रोका गया। इस दौरान वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। जब्त किए गए ट्रैक्टर-ट्रॉली, डंपर और पकड़े गए दोनों तस्करों को अग्रिम विधिक कार्रवाई के लिए वन विभाग, शांतिपुर (फॉरेस्ट बिट ऑफिस) को सुपुर्द कर दिया गया है। छठी वाहिनी एसएसबी के अधिकारियों ने बताया कि भारत-भूटान सीमा पर नियमित गश्त और निगरानी बढ़ा दी गई है। सीमा पर शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए बल पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस कार्रवाई से तस्करों के मंसूबों को बड़ा झटका लगा है और स्थानीय लोगों ने सुरक्षा बलों की इस मुस्तैदी की सराहना की है।

धुबड़ी : पत्रकार तथा विज्ञान के शिक्षक का निधन, शहर में शोक

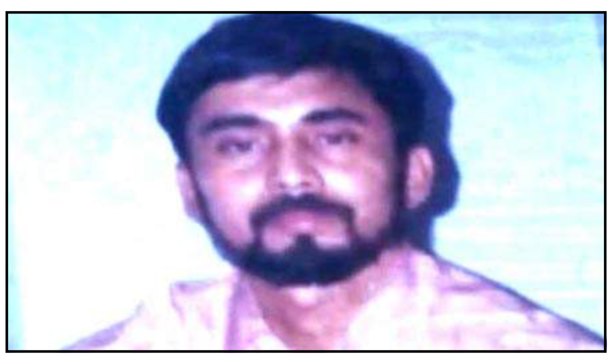

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी शहर के वरिष्ठ पत्रकार और विज्ञान के शिक्षक पिनाकी चक्रवर्ती का सोमवार को कुचबिहार के एक निजी अस्पताल में मृत्यु हो गया। उनके इस मृत्यु से धुबड़ी में पत्रकारिता और सांस्कृतिक जगत में गहरा मातम पसर गया। वे लंबे समय से किडनी संबंधित बीमारी से परेशान थे। वह लंबे समय से धुबड़ी में रहने के बाद पश्चिम बंगाल के कुच बिहार में स्थानीय निवास बना लिया था। शुरुआत से धुबड़ी शहर में पत्रकारिता से वे जुड़े रहे थे। उन्होंने असम के विभिन्न समाचार पत्रों जैसे आजीर बतोरी, जूगशंख आदि समाचार पत्रों में वे पत्रकार के रूप में काम कर चुके हैं। इसके अलावा लंबे समय तक धुबड़ी पत्रकार संघ के सदस्य भी रह चुके हैं। बाद में उन्होंने सरकारी नौकरी शिक्षा विभाग में ज्वाइन कर लिया था।

नगांव में पुलिस मुठभेड़ में कुख्यात डकैत खैरुल अली ढेर

नगांव (निसं)। विश्वसनीय सूत्रों से डकैती की तैयारी की सूचना मिलने पर नगांव थाना पुलिस की एक टीम ने मंगलवार तड़के रंगालू पेट्रोल पोस्ट अंतर्गत बोरकंदली-मिकिरपार गांव में अभियान चलाकर एक कुख्यात डकैत को मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस के अनुसार अभियान के दौरान पांच संदिग्ध मौके से फरार हो गए, जबकि एक आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर गोली चला दी। आत्मरक्षा के तहत पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए नियंत्रित फायरिंग की, जिसमें आरोपी घायल हो गया। बाद में पुलिस ने गंभीर रूप से घायल आरोपी को गिरफ्तार कर नगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान लखीमपुर टाउन के थाना रोड निवासी खैरुल अली उर्फ मोनी के रूप में हुई है। वह लगभग एक माह पूर्व हुए चर्चित मारीकोंलोंग डकैती कांड का मुख्य आरोपी और मास्टरमाइंड था। इस घटना में नगांव के चिकित्सक डॉ. रंजीत सैकिया की पत्नी रूपरेखा भुइयां सैकिया गंभीर रूप से घायल हो गई थीं और कोमा में रहने के बाद 10 मई को गुवाहाटी के एक अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई थी। इस हमले में डॉ. सइकिया भी घायल हुए थे। इस मामले में अब तक नगांव पुलिस कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने घटनास्थल से मृतक के कब्जे से एक 7.65 एमएम पिस्तौल, दो खाली कारतूस, लोहे की रॉड तथा धारदार हथियार बरामद कर जब्त किए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि खैरुल अली नगांव, सोनितपुर और लखीमपुर जिलों में लूट एवं डकैती के कई मामलों में पहले से शामिल था। वह कई बार नगांव स्थित स्टार होटल में ठहरता था और अपने सहयोगियों तथा जिले में मौजूद रिश्तेदारों के साथ चोरी और डकैती जैसी अवैध गतिविधियों को अंजाम देता था। नगांव के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास ने मंगलवार सुबह नगांव थाना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। वहीं नगांव के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अपराध) ए दौले ने बताया कि उपनिरीक्षक बिमान गोगोई के नेतृत्व में नगांव थाना पुलिस की टीम ने यह अभियान चलाया था। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है ।

29 मई से बंद होगा काजीरंगा, आज से बंद हुआ पोबितोरा अभयारण्य

गुवाहाटी (हिंस)। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व आगामी 29 मई से पर्यटकों के लिए पूरी तरह बंद रहेगा। इसके साथ ही 28 मई को काजीरंगा का 2025-26 पर्यटन सत्र समाप्त हो जाएगा। मानसून के आगमन को ध्यान में रखते हुए उद्यान प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। वहीं, पबितोरा वन्यजीव अभयारण्य भी आज से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। बारिश के मौसम में वन्यजीवों की आवाजाही बढ़ने और प्राकृतिक परिस्थितियों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, इस पर्यटन सत्र में काजीरंगा और पबितोरा में बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक पहुंचे। मानसून समाप्त होने के बाद मौसम और सड़क की स्थिति के अनुसार दोनों संरक्षित क्षेत्रों को पुन: पर्यटकों के लिए खोला जाएगा।

पेट्रोल-डीजल की मूल्यवृद्धि के खिलाफ अखिल कामरूप जिला छात्र संघ का जोरदार प्रदर्शन

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री का फूंका पुतला

गुवाहाटी। अखिल असम छात्र संघ (आसू) के केंद्रीय आह्वान पर आज अखिल कामरूप जिला छात्र संघ द्वारा रंगिया हाईवे चौक के सामने पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री का पुतला दहन किया। जिला छात्र संघ के अध्यक्ष नवज्योति दास और महासचिव तौफिकुर रहमान के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध कार्यक्रम में सरकार की नीतियों की तीखी आलोचना की गई। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिला सामान्य सचिव तौफिकुर रहमान ने कहा कि यह *डबल इंजन* की सरकार चुनाव के समय जनता को गुमराह कर सत्ता में आई थी। लेकिन चुनाव बीतते ही आम जनता पर बेतहाशा महंगाई और मूल्यवृद्धि का बोझ लाद दिया गया है, जिससे लोग पूरी तरह टूट चुके हैं। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं रह गया है, जिसके कारण आम आदमी का जीना मुहाल हो गया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पेट्रोल-डीजल की बढ़ी हुई कीमतें जल्द वापस नहीं ली गईं, तो छात्र संघ इससे भी अधिक उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। वहीं, कामरूप जिला छात्र संघ के अध्यक्ष नवज्योति दास ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अत्यधिक महंगाई के कारण आम जनता की कमर टूट गई है। अगर सरकार ने तुरंत इस पर लगाम नहीं लगाई, तो आम जनता के सहयोग से आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन में जिला छात्र संघ के सलाहकार गोलोक राजबंशी, बुलबुल अली, रिदुल कुमार नाथ और प्राणजीत देउरिया सहित भारी संख्या में छात्र संघ के पदाधिकारी और स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रंगिया : साइबर ठगों ने युवक के खाते से उड़ाए दो लाख 65 हजार रुपए

रंगिया (विभास)। रंगिया और इसके आसपास के इलाकों में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं ने स्थानीय जनता और प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। एक के बाद एक हो रही वारदातों के बीच अब रंगिया में ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी (साइबर क्राइम) का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। यहां साइबर ठगों के बिछाए जाल में एक स्थानीय युवक को अपनी मेहनत की बड़ी कमाई से हाथ धोना पड़ा है। शातिर अपराधियों ने युवक के बैंक खाते से कुल 2 लाख 65 हजार रुपए उड़ा लिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह सनसनीखेज हादसा रंगिया जयंती पुर के रहने वाले मानस दास के साथ हुआ है। अपराधियों ने उनके यूनियन बैंक के खाते को अपना निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि पीड़ित मानस दास का मोबाइल फोन पिछले कई दिनों से शाम 4.30 बजे से 5.00 बजे के बीच रहस्यमय तरीके से अपने आप ऑन-ऑफ (बंद और चालू) हो जाता था। इसी क्रम में बीती 25 मई को जब उनका मोबाइल बंद होने के बाद दोबारा खुला और उन्होंने अपना फोन चेक किया, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। उनके बैंक खाते से पूरी रकम गायब हो चुकी थी। युवक को जब अपने खाते से कुल 2,65,000 रुपए गायब होने का संदेश मिला, तब जाकर उसे अपने साथ हुई ठगी का अहसास हुआ। पीड़ित ने तुरंत इस मामले की लिखित शिकायत स्थानीय पुलिस में दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तकनीकी जांच और फोन हैकिंग के सुरागों के आधार पर अपराधियों का पता लगाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। गौरतलब है कि रंगिया में पिछले कुछ समय से चोरी, डकैती और अब साइबर अपराध जैसी वारदातों में तेजी से इजाफा हुआ है। क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों का कहना है कि आए दिन हो रही इन घटनाओं से आम जनता में असुरक्षा का माहौल पनप रहा है।

मानसून से पहले बीटीसी में बाढ़ तैयारियों की समीक्षा ईएम फ्रेश मुसाहारी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

कोकराझाड़ (विभास)। आगामी मानसून सत्र को देखते हुए बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के कार्यकारी सदस्य (ईएम) फ्रेश मुसाहारी ने मंगलवार को जल संसाधन विभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य चल रही परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लेना और संभावित बाढ़ की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयारियों को पुख्ता करना था। बैठक के दौरान ईएम फ्रेश मुसाहारी ने विशेष रूप से बाढ़ तैयारियों, त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र (रिस्पांस मैकेनिज्म) को मजबूत करने और राज्य की संवेदनशील नदी तटों की पहचान करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा अधिक है, वहां तत्काल प्रभाव से सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित किए जाएं। विभाग के कार्यों में तेजी

लाने और विभिन्न जिलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। ईएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को परियोजनाओं के समयबद्ध निष्पादन के निर्देश दिए ताकि मानसून के आगमन से पहले सभी सुरक्षा कार्य पूर्ण हो सकें। इस उच्चस्तरीय बैठक में जल संसाधन विभाग, बीटीसी के सचिव, सीएचडी-सह-अतिरिक्त मुख्य अभियंता (जल संसाधन) के अलावा उदालगुड़ी, तामुलपुर, बाक्सा, चिरांग और कोकराझाड़ प्रभागों के कार्यकारी अभियंता भी उपस्थित रहे।

संपादकीय

मां-बाप का हक

संवेदनाओं के क्षरण व आत्मकेंद्रित होती नई पीढ़ी के दौर में मां-बाप की बेकद्री विचलित करने वाली है। यह विडंबना ही है कि उन मां-बाप की देखभाल करने का निर्देश अदालत को देना पड़ रहा है, जिनका ऋण वे कभी चुका ही नहीं सकते। मां के रक्त से सींचे गए और पिता की पसीने से पले-बढ़े बेटे से यदि अदालत को कहना पड़े कि 'मां को घर में रहने के लिये एक कमरा, अलग बाथरूम और बुनियादी सुविधाएं दी जाएं', तो यह बात शर्मसार करने वाला है। जिस मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है। निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है। सामान्य तौर पर मां-बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख-सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं। एक मां-बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं। निस्संदेह, ऐसी पढ़ी-लिखी संतानों से अनपढ़ संतानें बेहतर हैं, जो कम से कम अपने वृद्ध माता-पिता के पास रहकर उनका ख्याल तो रखती हैं। यह सवाल परेशान करने वाला है कि जिस समाज में 'मातृ देवो भव' की सर्वस्वीकार्य मान्यता रही हो, वहां ये कैसी कलयुगी संतानें जन्म ले रही हैं? मां-बाप की बेकद्री की यह अकेली कहानी नहीं है, हर रोज अखबारों में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें धन-संपत्ति के लिये मां-बाप से क्रूरता की जा रही होती है। निस्संदेह, यदि उनकी अवहेलना व उत्पीड़न का यह क्रम यूं ही चलता रहा तो बहुत संभव है भारत में भी पश्चिमी देशों जैसा चलन शुरू हो जाएगा, जहां मां-बाप बच्चों को होश संभालने के बाद ही उन्हें पैरों पर खड़ा होने के लिये चलता कर देते हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों में मां-बाप मानकर चलते हैं कि बड़े होकर बच्चे उन्हें उनकी देखभाल नहीं करनी, अतः इनसे पहले ही किनारा कर लो। आधुनिकता व तरक्की की लाख इबारतें लिख ली जाएं, भारतीय समाज कभी पश्चिमी समाज की तर्ज पर नहीं चल सकता। भारत श्रवण कुमार का देश है और आज भी अधिसंख्य संतानें अपने मातृ-पितृ ऋण उतारती हैं। उनका ख्याल रखती हैं। विकृतियां महानगरीय संस्कृति की भी देन हैं। बच्चों की भी अपनी दुश्वारियां हैं। फिर भी भारतीय संस्कृति में वो शक्ति है जो पारिवारिक मूल्यों को सींचती है। बहरहाल, माता-पिता की सेवा-सम्मान व बुढ़ापे में उनकी देखभाल करना महज एक सांस्कृतिक दिखावा नहीं है बल्कि संतानों का नैतिक-कानूनी दायित्व भी है। हाल ही में कोर्ट ने जिस घर में बेटे को वृद्ध मां को एक कमरा आदि देने को कहा, वह मकान वृद्धा के दिवंगत पति द्वारा ही बनाया गया था। जिसमें अपना हक पाने हेतु उसे न्यायिक हस्तक्षेप का सहारा लेना पड़ा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि किसी वृद्ध मां को आश्रय और आत्म स्वाभिमान हेतु बच्चों के खिलाफ कोर्ट-कचहरी करनी पड़े। निस्संदेह, यह उस भारतीय संयुक्त परिवार परंपरा का पराभव ही है जिसकी मिसाल पश्चिमी भोगवादी संस्कृति के अगुवा दिया करते थे। यहां न्यायालय के संवेदनशील व न्यायपूर्ण निर्णय की मुक्त कंठ से सराहना करनी होगी, जिसमें कोर्ट ने निर्णय के खिलाफ दी गई पुत्र की याचिका को खारिज कर जुर्माना लगाया। यह कष्टकारी ही है कि देशभर की अदालतें परित्यक्त-प्रताड़ित माता-पिता से जुड़े विवादों का सामना कर रही हैं। न्यायाधिकरणों और उच्च न्यायालयों ने दुर्व्यवहार करने वाले बच्चों को बेदखल करने तक के आदेश दिए हैं। अदालतों द्वारा माता-पिता द्वारा अर्जित संपत्ति पर उनके अधिकारों को बरकरार रखने ने वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 को सुदृढ़ ही किया है। न्यायपालिका ने संपत्ति के अधिकार के साथ ही कल्याण संबंधी चिंताओं को भी सावधानीपूर्वक संतुलित किया है। न्यायालय ने यह भी सुनिश्चित किया है कि पारिवारिक झगड़ों में कानून का दुरुपयोग न हो। लेकिन फिर भी संकट का समाधान सिर्फ कानून से संभव नहीं है। हाईकोर्ट का फैसला संदेश देता है कि विरासत पर बातचीत हो सकती है, लेकिन मानवता पर नहीं।

मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है। निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है। सामान्य तौर पर मां-बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख-सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं। एक मां-बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं। निस्संदेह, ऐसी पढ़ी-लिखी संतानों से अनपढ़ संतानें बेहतर हैं, जो कम से कम अपने वृद्ध माता-पिता के पास रहकर उनका ख्याल तो रखती हैं। यह सवाल परेशान करने वाला है कि जिस समाज में 'मातृदेवो भव' की सर्वस्वीकार्य मान्यता रही हो, वहां ये कैसी कलयुगी संतानें जन्म ले रही हैं? मां-बाप की बेकद्री की यह अकेली कहानी नहीं है, हर रोज अखबारों में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें धन-संपत्ति के लिये मां-बाप से क्रूरता की जा रही होती है।

एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया

क्या एआई मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी?

ललित गर्ग

एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निर्माता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निर्माता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध को नैतिक नहीं बनाया जा सकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली मानवता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टि नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। दुनिया को इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। पोप ने सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर जारी अपने आधिकारिक संदेश में एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी परिवर्तन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह युद्ध, राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाली शक्ति बनती जा रही है। उन्होंने दुनिया को चेताया कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि उसकी सेवा करना होना चाहिए। उनका संदेश मानव-केंद्रित विकास की अवधारणा को बल देता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक को नैतिकता, मानवीय गरिमा और करुणा के अधीन रखा जाए। पोप की यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं है, बल्कि एक वैश्विक मानवीय आह्वान है कि एआई की अंधी दौड़ में मानवता, संवेदना और नैतिकता का क्षरण न होने दिया जाए। आज जब महाशक्तियां एआई के माध्यम से प्रभाव और नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा में लगी हैं, तब पोप का यह संदेश विश्व समुदाय को संयम, उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है। पोप ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एल्गोरिद्म युद्ध को नैतिक नहीं बना सकता और तकनीक को मानव विवेक का विकल्प नहीं बनने दिया जा सकता। पोप ने चर्च के सामाजिक सरोकारों से जुड़े अपने इस आधिकारिक पत्र में पहली बार एआई को प्रमुख विषय बनाया, जो इस बात का संकेत है कि इसका प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव जीवन, समाज और वैश्विक व्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से एआई आधारित स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस तकनीक को पूर्णतः मानवीय नियंत्रण में नहीं रखा गया तो यह युद्ध, शोषण और दासता के नए रूपों को जन्म दे सकती है।

पोप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को "निरस्त्र" करने का आह्वान करते हुए उसका आशय तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित और अमानवीय उपयोग पर रोक लगाना बताया। उनका कहना था कि युद्ध और शांति से जुड़े निर्णय अंततः नैतिकता, करुणा और विवेक पर आधारित होने चाहिए, उन्हें मशीनों के हवाले नहीं किया जा सकता। आज जब अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हैं और युद्ध तकनीकों में इसका उपयोग बढ़ रहा है, तब पोप का यह संदेश मानवता के लिए एक नैतिक दिशा-सूचक के रूप में सामने आया है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने, स्वामी नहीं; और विकास का केंद्र मानव गरिमा, संवेदना तथा विश्वशांति ही रहे। निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है। आज वही संकट स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सबसे बड़ा संकट रोजगार का है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने लाखों लोगों के कार्यों को प्रतिस्थापित करना शुरू कर दिया है। ग्राहक सेवा, लेखन, अनुवाद, लेखांकन, सूचना प्रबंधन, प्रोग्रामिंग और कार्यालयी कार्यों में मनुष्य की आवश्यकता तेजी से घट रही है। मशीनें कम लागत, अधिक गति और निरंतर कार्य क्षमता के कारण मनुष्य का स्थान ले रही हैं। इससे केवल बेरोजगारी नहीं बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक असंतुलन और आर्थिक विषमता भी गहराएगी। जिन देशों और कंपनियों के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियंत्रण होगा, आर्थिक शक्ति भी उन्हीं के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। इससे विश्व व्यवस्था में असमानता का नया स्वरूप उभरेगा। इससे भी अधिक गंभीर प्रश्न वैश्विक सुरक्षा का है। आज अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हुई हैं। यह प्रतिस्पर्धा केवल तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रभुत्व का नया संघर्ष बन चुकी है। जैसे कभी परमाणु हथियारों और घातक अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से शक्ति संतुलन स्थापित हुआ था, वैसे ही अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की सामरिक शक्ति बन रही है। स्वायत्त हथियार प्रणाली, बुद्धिमान ड्रोन और बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्णय लेने वाली युद्ध तकनीकें मानवता के लिए भयावह संकेत हैं। यदि युद्ध का निर्णय मशीनों के हाथों में चला गया तो संवेदना, विवेक और नैतिकता समाप्त हो जाएगी। मशीनों के लिए मानव जीवन केवल आंकड़े होंगे। ऐसी स्थिति महाविनाश की संभावना को जन्म दे सकती है। पोप की यह चेतावनी इसी संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है कि युद्ध का अंतिम निर्णय मानव विवेक के अधीन रहना चाहिए। साइबर सुरक्षा भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण नई चुनौतियों से घिर गई है। बैंकिंग व्यवस्था, विद्युत तंत्र, रक्षा नेटवर्क और संचार प्रणाली आज डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हैं। एआई आधारित साइबर हमले किसी भी राष्ट्र को कुछ घंटों में अस्थिर कर सकते हैं। झूठे संदेश, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम चित्र और आवाजों के माध्यम से सामाजिक तनाव उत्पन्न किए जा सकते हैं। सत्य और असत्य का अंतर मिटने लगा है। यह सूचना तंत्र और लोकतंत्र दोनों के लिए गंभीर संकट है। एआई का एक और चिंताजनक पक्ष है-मानवीय नियंत्रण का कमजोर पड़ना। वैज्ञानिक समुदाय का एक वर्ग मानता है कि भविष्य में ऐसी बुद्धिमत्ता विकसित हो सकती है जो मनुष्य की क्षमता से कई गुना आगे निकल जाए। यदि ऐसा हुआ तो नियंत्रण का प्रश्न सबसे बड़ा संकट बनेगा। यह केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न होगा। भारत के लिए यह विषय और अधिक महत्वपूर्ण है। भारत युवा शक्ति, विशाल जनसंख्या और तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था वाला देश है। यदि एआई को बिना स्पष्ट नीति और नियंत्रण के बढ़ने दिया गया तो रोजगार, शिक्षा और सामाजिक संरचना पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। भारत को विकास और नियंत्रण दोनों के बीच संतुलन बनाना होगा। एआई को रोकना समाधान नहीं है, लेकिन इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के अधीन रखना अनिवार्य है। भारत को ऐसी राष्ट्रीय नीति बनानी होगी जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग मानव कल्याण, शिक्षा, चिकित्सा और आर्थिक विकास के लिए हो, लेकिन रोजगार संरक्षण, डेटा सुरक्षा, नैतिक मानदंड और युद्ध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही वैश्विक स्तर पर भी एआई के उपयोग हेतु साझा नियम और अंतरराष्ट्रीय संधियां आवश्यक हैं। आज सबसे बड़ा प्रश्न तकनीक का नहीं, मानवता का है। क्या मनुष्य अपनी बनाई हुई शक्ति पर नियंत्रण बनाए रख सकेगा? क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को समृद्ध बनाएगी या उसे नियंत्रित करेगी? क्या विकास संवेदनाओं से बड़ा हो जाएगा? क्या एआई रूपी विस्फोट मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी? यही वे प्रश्न हैं जिन पर दुनिया को गंभीर चिंतन करना होगा।

देश | दुनीया से

शादी खूबसूरत हो, दिखावटी नहीं

आजकल देशभर में भोपाल की टविशा शर्मा, ग्रेटर नोएडा की दीपिका नागर और अमरोहा की पुष्पेंद्री देवी की दहेज उत्पीडन के कारण संदिग्ध मौत चर्चा का विषय बना हुआ है। क्या इन मौतों का जिम्मेदार सिर्फ संबंधित परिवार है? शायद नहीं, वो समाज भी बराबर का भागीदार है जहां शादी के नाम पर लाखों, करोड़ों रुपए पानी की तरह बहाए जाते हैं और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष तौर पर देहज देने में हामी भरी जाती है। इस संदर्भ में अच्छी शादी का आधार खर्चीली और दिखावटी शादी को बनाया जाता है और वर तथा वधू के संस्कार, वैचारिक समानता सब पहलू दोयम दर्जे के बन जाते हैं। क्योंकि इस तरह की शादियों में वधू का परिवार में मान-सम्मान भी मायके द्वारा दिए गए महंगे गिफ्ट और शादी में किए गए खर्चे पर निर्भर करता है। हद तो तब हो जाती है जब दहेज लोभी ससुराल वाले अपनी इच्छाओं को पूरा करने का हथियार नई नवेली दुल्हन को बना लेते हैं। ऐसी परिस्थिति में लडकी का परिवार अपनी बेटी की खुशी के लिए अपनी औकात अनुसार और गिफ्ट देता है, जिसका कि अंत नहीं होता। लेकिन जिसका समापन या बच्ची की मौत के साथ होता है, शादी की इति के साथ। नेशनल क्राइम ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक देश में दहेज के कारण हर वर्ष 6 से 7 हजार महिलाओं को मार दिया जाता है। यानी कि हर घंटे एक महिला दहेज के कारण जान गंवा रही है। इस तरह के कई गुमनाम केस तो न कहीं दर्ज होते हैं और न ही प्रकाश में आते हैं, क्योंकि उनका परिवार इसे अपनी शान के खिलाफ समझता है। हालांकि शहरों या कुछ रसूख परिवारों की बच्चियों की खबर मीडिया की सुर्खियां बन पाती हैं। तब एक ही सवाल मन में आता है कि आखिर क्यों पढ़ी-लिखी लड़कियां निर्मम हत्या का शिकार हो जाती हैं। इसका एक ही जवाब है दिखावटी उड़ाऊ शादियां, जो सिर्फ लोगों की संतुष्टि के लिए की जाती हैं, बेशक उन शादियों में प्यार, आदर और नैतिकता कम रह जाए। हमारे विकासशील देश भारत में ब्रोकरेज फर्म जेफरीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक 130 बिलियन अमरीकी डॉलर का कारोबार है, जो दुनिया के सबसे बड़ा बाजारों में से एक है। यहां मध्यम वर्ग के लिए शादियां शिक्षा से दोगुना खर्चीली हो गई हैं, जिसमें एक समारोह का खर्च 10 लाख से 50 लाख तक पहुंच जाता है। एक सर्वे के मुताबिक देश के निम्न और मध्यवर्गीय लगभग 40 प्रतिशत परिवार शादियों का खर्चा पूरा करने के लिए लोन तक लेते हैं, क्योंकि इन परिवारों के बच्चों पर अमीरों की शादियों के स्टाइल, बॉलीवुड वैडिंग का और घर के सदस्यों पर करना पड़ता है, जैसे शब्दों का प्रभाव बहुत होता है। बेशक इस उद्योग से हजारों लोगों को रोजगार मिल रहा है लेकिन दूरदर्शिता समाज को शादी के बेजोड़ रिश्ते की जगह दिखावटी शादी की ओर धकेल रही है, जो अच्छी बात नहीं है। जाने-माने समाजशास्त्री पेट्रीसिया ओबेरॉय का मानना है कि भव्य और महंगी शादियों के बल धन का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि ये प्रतिष्ठित उपभोग और स्पष्ट बर्बादी का दृश्यमान स्थल है। अगर दहेज के मूल कारण पर जाएं तो खर्चीली शादियां सबसे बड़ा कारण हैं। इस पहलू पर समाज को सोचना होगा, विशेषकर युवा वर्ग को जो आजकल आजाद सोच के नाम पर स्वयं आत्मनिर्भर बन हर निर्णय लेते हैं, तो इस मुद्दे पर क्यों परिवारों के प्रभाव में आ जाते हैं। शायद कुछ तो शादी का खर्चा या जिम्मेदारी परिवार पर डालना चाहते हैं या कुछ स्वयं दिखावटी शादी करना पसंद करते हैं। लेकिन इस सब में सबसे ज्यादा नुकसान उस युवा दपंत्ति का होता है जिनकी शादी का आधार समर्पण नहीं बल्कि दिखावटी शादी होती है। उन सभी युवाओं से यही आह्वान है कि हमारे देश के सबसे खूबसूरत शादी के आदर्श को और खूबसूरत बनाने के लिए अनावश्यक खर्च वाली शादी की जगह आपसी समझ और प्यार के बंधन वाले पवित्र रिश्ते में बंधे, लेकिन ये सब वर और वधू के आपसी समझ और परिवार के सहयोग से ही संभव है। ये कोई सपना नहीं बल्कि खूबसूरत विचार है, जो संभव है। शायद घर की बेटियां अपने परिवार के साथ और मुस्कुरा सकें। विवाह में बढ़ते दिखावे के प्रमुख रूप निम्नलिखित हैं : भव्य आयोजन और थीम : साधारण जयमाला और रिसेप्शन की जगह डेस्टिनेशन वेडिंग, कॉकटेल पार्टियां और बॉलीवुड स्टाइल के 'संगीत' समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। सोशियल मीडिया का दबाव : प्री-वेडिंग शूट, वीडियोग्राफी के लिए ड्रोन, और हर रस्म के लिए अलग थीम और महंगे डिजाइनर कपड़ों का चलन बढ़ गया है। बजट से बाहर खर्च : लोग अपनी क्षमता (चादर) से बाहर जाकर कर्ज लेकर शादियां कर रहे हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है। पारिवारिक अपनापन कम होना : इस दिखावे के कारण सगे-संबंधियों और संस्कारों से ज्यादा फोकस सजावट, महंगी गाडियों, वीआईपी मेहमानों पर होता है।

आप का | नजरीया

कोर्ट की सख्ती के मायने

इसमें दो राय नहीं कि स्थानीय निकायों द्वारा आवारा कुत्तों को हटाने के संबंध में विगत में दिए अपने निर्देशों को नरम न करने का सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय, बिगड़ते जन-सुरक्षा संकट में एक आवश्यक हस्तक्षेप है। हाल के वर्षों में, देश भर में स्थानीय प्रशासन व निकाय कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार हो रही चिंताजनक वृद्धि को रोकने में विफल ही रहे हैं। ऐसे में शासन व प्रशासन स्तर पर इस समस्या के निराकरण की कोई सार्थक पहल न होते देख ही, शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के अनुसार, साल 2023 में तीस लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए थे। उसके अगले साल 2024 में रोकथाम के कोई ठोस प्रयास न होने के कारण 37 लाख मामले दर्ज किए गए। आंकड़े बता रहे हैं कि औसतन प्रतिदिन दस हजार घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं कई राज्यों व शहरों में इन घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। हाल ही में सामने आए केरल के आंकड़ों के अनुसार, वहां एक साल के भीतर ही 3.6 लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले सामने आए हैं। वहीं दूसरी दिल्ली से सटे नोएडा में कुछ ही महीनों में हजारों शिकायतों के बाद हॉटस्पॉट की पहचान की गई। इन शिकायतों में स्कूलों के पास उनका जमावड़ा होना, चलने में असमर्थ बुजुर्ग नागरिकों का शिकार बनना व आम नागरिकों के आवारा कुत्तों के भय में जीने के मामले उजागर हुए हैं। दरअसल, विगत में भी इस संकट के कारगर समाधान के लिये शीर्ष अदालत ने सख्त निर्देश दिए थे। स्थानीय नगर निगम व नगर पालिकाओं की जवाबदेही तय की थी कि कुत्तों को शेल्टर होम ले जाकर उनकी नसबंदी की जाए और टीकाकरण किया जाए। लेकिन इस दिशा में कारगर पहल होती नजर नहीं आई। वहीं तसवीर का दूसरा पहलू है कि यह संकट समाज और संस्थाओं द्वारा जानवरों के प्रति किए जाने वाले व्यवहार में परेशान करने वाली विफलता को भी दर्शाता है। पिछले दिनों चंडीगढ़ से एक स्तब्धकारी घटना ने हर किसी संवेदनशील व्यक्ति को विचलित किया, जब एक अज्ञात व्यक्ति ने एक पिल्ले को धधकते तंदूर में फेंककर जिंदा जला दिया। ऐसे शर्मनाक कृत्य उस भयावह क्रूरता को उजागर करते हैं, जो सार्वजनिक चर्चाओं में उजागर नहीं होती। इस घटना ने इन जीवों की दयनीय स्थिति को ही उजागर किया। वहीं भूख से बिलबिलाते कुत्तों द्वारा कथित तौर पर अपने ही बच्चों को खाने के मामले भी शामिल हैं। शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है कि जानवरों के साथ मानवीय व्यवहार का मतलब नागरिकों की सुरक्षा की अनदेखी करना नहीं हो सकता। लेकिन इसके साथ ही जन सुरक्षा को पशु कल्याण की उपेक्षा का बहाना भी नहीं बनाया जा सकता है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानूनी रूप से जानवरों को स्थानांतरित करने पर दिए गए जोर के साथ अब आश्रय स्थलों, नसबंदी केंद्रों, टीकाकरण अभियानों और पशु चिकित्सा सुविधाओं में अधिक निवेश करने की सख्त जरूरत है। निश्चय ही यह चुनौती एक जटिल विषय है। सही मायनों में चुनौती यह भी है कि एक मानवीय, जवाबदेह और प्रभावी आवारा पशु प्रबंधन व्यवस्था का निर्माण किया जाए, जो नागरिकों और कुत्तों , दोनों के हितों की रक्षा कर सके। हमेशा से ही कुत्ते की गिनती मनुष्य के वफादार साथी के रूप में की जाती रही है। सदियों से दोनों एक साथ रहे हैं। उन कारणों की भी पड़ताल की जानी चाहिए, जिनके चलते कुत्ते अचानक आक्रामक व्यवहार दिखाने लगे हैं। निश्चय ही बढ़ता तापमान बदलते मौसमों के प्रति संवेदनशील इन जीवों को बेचैन किए हुए है। भूख व आश्रय के अभाव से उपजे असुरक्षाबोध ने भी उन्हें आक्रामक बनाने में भूमिका निभायी है।

सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय, बिगड़ते जन-सुरक्षा संकट में एक आवश्यक हस्तक्षेप है। हाल के वर्षों में, देश भर में स्थानीय प्रशासन व निकाय कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार हो रही चिंताजनक वृद्धि को रोकने में विफल ही रहे हैं। ऐसे में शासन व प्रशासन स्तर पर इस समस्या के निराकरण की कोई सार्थक पहल न होते देख ही, शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के अनुसार, साल 2023 में तीस लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए थे। उसके अगले साल 2024 में रोकथाम के कोई ठोस प्रयास न होने के कारण 37 लाख मामले दर्ज किए गए। आंकड़े बता रहे हैं कि औसतन प्रतिदिन दस हजार घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं कई राज्यों व शहरों में इन घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। हाल ही में सामने आए केरल के आंकड़ों के अनुसार, वहां एक साल के भीतर ही 3 .6 लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले सामने आए हैं। वहीं दूसरी दिल्ली से सटे नोएडा में कुछ ही महीनों में हजारों शिकायतों के बाद हॉटस्पॉट की पहचान की गई। इन शिकायतों में स्कूलों के पास उनका जमावड़ा होना, चलने में असमर्थ बुजुर्ग नागरिकों का शिकार बनना व आम नागरिकों के आवारा कुत्तों के भय में जीने के मामले उजागर हुए हैं। दरअसल, विगत में भी इस संकट के कारगर समाधान के लिये शीर्ष अदालत ने सख्त निर्देश दिए थे। स्थानीय नगर निगम व नगर पालिकाओं की जवाबदेही तय की थी कि कुत्तों को शेल्टर होम ले जाकर उनकी नसबंदी की जाए और टीकाकरण किया जाए। लेकिन इस दिशा में कारगर पहल होती नजर नहीं आई।

कुछ | अलग

एक और मिल्खा सिंह

एक प्रेरक कहावत है कि सुबह जिसकी हुई, सचमुच वो सारी रात नहीं सोया होगा। आज जब हम पंजाब के पुत्र गुरिंदरवीर सिंह की रिकॉर्ड तोड़ कामयाबी की बात कर रहे हैं तो हमें इस मुकाम तक पहुंचने के उसके संघर्ष को भी याद करना चाहिए। कोई भी कामयाबी रातों-रात नहीं मिलती। महज 10.09 सेकंड में सौ मीटर की रेस पूरी करने वाले गुरिंदरवीर सिंह ने, निस्संदेह नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर देशवासियों को गर्व करने का मौका दिया है। निर्विवाद रूप से उनके भारत के सबसे तेज धावक बनने की कहानी महज चंद घड़ियों की बदौलत नहीं नापी जा सकती। गांव की धूल से भरी सड़कों में उनका अभ्यास, प्रशिक्षण मैदानों में पसीने के साथ थका देने वाला सफर और संसाधन के अभावों से जूझकर ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। वहीं इस कामयाबी में उनके परिवार का खामोश त्याग भी शामिल है, जो उनकी कामयाबी के बाद ही सुर्खियों में नजर आ पाया है। जालंधर के निकट स्थित पटियाल गांव के स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर सिंह ने रांची में फेडरेशन कप में जब सौ मीटर की दौड़ 10.09 सेकेंड में पूरी की तो इस मुकाम तक पहुंचने वाले वे पहले भारतीय थे। एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना। इस इतिहास को रचकर गुरिंदरवीर सिंह देश के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों में शामिल हो गए हैं। इस सफलता का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इस कामयाबी के बाद वे स्वतः ही राष्ट्रमंडल खेलों में खेलने के हकदार हो गए हैं। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में एक और पदक जीतने की उम्मीद फिर से जगा दी है। उल्लेखनीय है कि स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर का सौ मीटर की दौड़ पूरी करने का यह समय इस सीजन में एशिया का दूसरा सबसे तेज समय है।

दृष्टि | कोण

रुपए की मजबूती के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी

हालांकि भारतीय रुपया लंबे समय से कमजोर हो रहा है, लेकिन अमरीका-इजरायल बनाम ईरान के बीच चल रहे युद्ध के ढाई महीने के बहुत कम समय में रुपए के मूल्य में आई हालिया गिरावट नीति निर्माताओं के लिए चिंता का एक बड़ा कारण है। हालांकि, भारतीय रुपए के मूल्य में गिरावट का सीधे तौर पर जिक्र नहीं किया गया, लेकिन यह कोई भी समझ सकता है कि जब 10 मई 2026 को प्रधानमंत्री ने राष्ट्र से पेट्रोल और डीजल बचाने की अपील की, जिसके लिए उन्होंने अनावश्यक पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहनों का इस्तेमाल कम करने, विदेश यात्रा में कटौती करने, घर से काम करने और ऑनलाइन बैठकें करने का सुझाव दिया, तो असल में यह नागरिकों से विदेशी मुद्रा बचाकर भारतीय रुपए की रक्षा करने की अपील ही थी। इसी संदर्भ में, प्रधानमंत्री की नागरिकों से सोने की खरीद से बचने, खाना पकाने के तेल की खपत कम करने, विदेशी ब्रांड के सामान न खरीदने और स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने, रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करने और प्राकृतिक खेती की ओर बढने की अपील का उद्देश्य विदेशी देशों पर निर्भरता कम करना और कीमती विदेशी मुद्रा बचाना है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि खाड़ी युद्ध की इस अवधि के दौरान, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 38 अरब अमरीकी डॉलर कम हो गया है, और हमारा भंडार 27 फरवरी को 728.5 अरब अमरीकी डॉलर से घटकर 12 मई 2026 तक 690.7 अरब अमरीकी डॉलर रह गया है। आम तौर पर, रुपए की स्थिरता के बारे में दो तरह के विचार हैं। एक वर्ग मानता है कि विनिमय दर, बाजार द्वारा निर्धारित एक मूल्य से ज्यादा कुछ नहीं है, और अगर मुद्रा का मूल्य गिरता भी है, तो भी किसी को चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि आयात और निर्यात विनिमय दर के अनुसार अपने आप समायोजित हो जाएंगे। उनका मानना है कि घरेलू मुद्रा के मूल्य में गिरावट आयात को हतोत्साहित और निर्यात को प्रोत्साहित कर सकती है। भारतीय रुपए के बारे में, कभी-कभी उनका मानना होता है कि इसका मूल्य जरूरत से ज्यादा है, और इसलिए यदि रिजर्व बैंक रुपए में किसी भी गिरावट को रोकने के लिए हस्तक्षेप करता है, तो इससे अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा, क्योंकि ऐसा करने से आयात को बढ़ावा मिलेगा और निर्यात हतोत्साहित होगा। दूसरा वर्ग एक मजबूत रुपए में विश्वास रखता है। उन्हें लगता है कि केवल एक मजबूत रुपया ही मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, और ऋण सेवाओं (मूलधन और ब्याज की अदायगी), लाभांश, रॉयल्टी, वेतन और अन्य आय हस्तांतरणों के कारण होने वाले विदेशी मुद्रा के बहिप्रवाह को नियंत्रण में रख सकता है। सत्ता की बागडोर संभालने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह तर्क देते रहे हैं कि पिछली सरकार की गलत नीतियों के कारण ही रुपए में गिरावट आई है, और इसलिए केवल सही नीतियों द्वारा ही रुपए के अवमूल्यन को रोका जा सकता है। हालांकि, रुपए का मूल्य हमेशा से चर्चा का विषय रहा है, लेकिन हमें यह समझना होगा कि सरकार चाहे कितनी भी मजबूत क्यों न हो, वह कृत्रिम रूप से विनिमय दर तय नहीं कर सकती और न ही इसे बढ़ाने में मदद कर सकती है। विनिमय दर विदेशी मुद्राओं (जैसे डॉलर) की मांग और आपूर्ति द्वारा तय होती है। जहां विदेशी मुद्रा की मांग वस्तुओं और सेवाओं के आयात, ऋण चुकाने (अतीत में लिए गए ऋणों के मूलधन और ब्याज की वापसी), लाभांश, रॉयल्टी, तकनीकी शुल्क, वेतन और अन्य आय हस्तांतरण के कारण होती है, वहीं विदेशी मुद्रा की आपूर्ति वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के शुद्ध प्रवाह, और विदेशों से प्राप्त विदेशी पोर्टफोलियो निवेश आदि से होती है। यदि सरकार रुपए को मजबूत बनाना चाहती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने बदला भारत का स्वरूप : प्रदीप कुमार सिंह

अररिया (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बतौर प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण के 12 वर्ष पूर्ण होने पर अररिया सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने हर्ष जाहिर करते हुए जनता का आभार प्रकट किया। सांसद ने इस दिन को एक नए युग की शुरुआत बताते हुए कहा कि वर्ष 2014 में मिली ऐतिहासिक जनादेश के साथ प्रारंभ हुआ यह सफर आज नए भारत के निर्माण का मजबूत आधार बन चुका है। सेवा, संकल्प, सुशासन और विकास को केंद्र में रखकर बीते 12 वर्षों में देश ने अभूतपूर्व प्रगति की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व मंच पर नई ताकत, नई पहचान और नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। गरीब कल्याण, आधारभूत संरचना, डिजिटल क्रांति, महिला सशक्तिकरण, किसानों के उत्थान और युवाओं के अवसरों में जो परिवर्तन आया है, वह ऐतिहासिक है। विशेष रूप से अररिया सीमांचल क्षेत्र में बीते 12 वर्षों के दौरान विकास की नई इबारत लिखी गई है। सड़क, रेल, स्वास्थ्य, बिजली, आवास, शौचालय, गैस कनेक्शन, बैंकिंग सुविधा, डिजिटल सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ गांव-गांव तक पहुंचा है। आज आम नागरिक का जीवन पहले की तुलना में अधिक सरल, सुरक्षित और सम्मानजनक हुआ है। उन्होंने कहा कि बीते 12 वर्षों का गूगल मैप ही विकास की कहानी बताने के लिए पर्याप्त है। जहां कभी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, वहां आज सड़क, पुल, रेलवे कनेक्टिविटी और जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक विस्तार दिखाई देता है। सीमांचल के विकास को नई गति मिली है और क्षेत्र लगातार प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। सांसद

यह मोदी युग का भारत, जो घर में घुसकर मारता है : शेखावत

पाली (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि यह पुराना भारत नहीं, अपितु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के युग वाला नया भारत है, जो दुश्मन को उसकी ही जमीन पर घुसकर जवाब देना जानता है। सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों ने पूरी दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि भारत के खिलाफ आंख उठाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। मंगलवार को पाली में पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाअभियान के तहत आयोजित भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण वर्ग में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने जिस तेज गति से विकास और सामरिक मजबूती हासिल की है, वह मोदी सरकार की राष्ट्रहित सर्वोपरि नीति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने केवल सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत नहीं किया, अपितु बॉर्डर पर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा कर सेना को अभूतपूर्व ताकत दी है। उन्होंने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि डोकलाम में चीन ने भारत को आंख दिखाने की कोशिश की थी, लेकिन भारतीय सेना की ताकत और मोदी सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के चलते उसे पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। शेखावत ने कहा कि आज दुनिया जानती है कि भारत अब किसी भी दबाव में झुकने वाला देश नहीं रहा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद देश को 1948, 1962, 1965 और 1971 जैसे बड़े युद्धों का सामना करना पड़ा, लेकिन जब दुश्मनों को यह समझ आ गया कि भारतीय सेना को सीधे युद्ध में हराना आसान नहीं है, तब उन्होंने आतंकवाद, ड्रग्स तस्करी और नकली करेंसी के जरिए छद्म युद्ध शुरू किया। उन्होंने कहा कि भारत ने हर मोर्चे पर दुश्मनों की इन साजिशों को विफल किया है और अब देश आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर आगे बढ़ रहा है, जिसे पूरी दुनिया का समर्थन हासिल है, यही भारत की असली ताकत है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सबसे पहले पाली के सिरियारी स्थित आचार्य भिक्षु समाधि स्थल संस्थान पहुंचकर समाधि के दर्शन किए। आचार्य भिक्षु मानव कल्याण की प्रेरणा हैं। संस्थान की कार्य समिति सदस्य अभिषेक भाई दूगड़ जी सहित संस्थान से जुड़े सदस्यों ने केंद्रीय मंत्री शेखावत का स्वागत किया।

चंडीगढ़ में फिल्म *धुरंधर* के प्रोडक्शन डिजाइनर पर रेप का केस दर्ज

चंडीगढ़ (हिंस)। फिल्म *धुरंधर* के प्रोडक्शन डिजाइनर सैनी एस जोहर के खिलाफ चंडीगढ़ के सेक्टर-17 थाना में एक युवती के साथ रेप का मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि एक फाइव स्टार होटल में बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया और मारपीट करने के साथ गलत तरीके से बंधक बनाकर रखा गया। युवती का आरोप है कि उसकी ड्रिंक में संदिग्ध नशीला पदार्थ मिलाया गया था, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। पुलिस ने जांच के बाद 21 अप्रैल को एफआईआर दर्ज की थी। हाई प्रोफाइल मामला होने के चलते पुलिस ने लंबे समय तक इस केस को सार्वजनिक नहीं होने दिया। हालांकि मामले का खुलासा सोमवार देर शाम को हुआ। एफआईआर दर्ज होने के बाद सेक्टर-17 थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार भी किया था, लेकिन बाद में उसे जिला अदालत से जमानत मिल गई। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार शिकायतकर्ता युवती चंडीगढ़ के खुड्डा लाहौरा क्षेत्र की रहने वाली है और फिलहाल चंडीगढ़ में रह रही है, जबकि उसका स्थायी पता नई दिल्ली का बताया गया है। शिकायत में युवती ने बताया कि वर्ष 2025 में वह चंडीगढ़ के सेक्टर-10 स्थित गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट में पढ़ाई कर रही थी। इसी दौरान एक शिक्षक के माध्यम से उसका बायोडाटा फिल्म *धुरंधर* की टीम तक पहुंचा। इसके बाद 2 सितंबर, 2025 को उसे फिल्म प्रोजेक्ट में असिस्टेंट आर्ट डायरेक्टर के तौर पर शामिल किया गया। पीड़िता के अनुसार प्रोजेक्ट पर काम शुरू होने के 4-5 दिन बाद प्रोडक्शन डिजाइनर ने काम की चर्चा के बहाने उसे सेक्टर-17 स्थित एक होटल के कमरे में बुलाया। शिकायत में युवती ने कहा कि 10 सितंबर, 2025 की रात करीब साढ़े 8 बजे वह होटल पहुंची। शुरुआत में उसे लगा कि वहां टीम मीटिंग होगी, लेकिन होटल पहुंचने पर वहां कोई अन्य सदस्य मौजूद नहीं था। प्रोडक्शन डिजाइनर ने उस पर शराब पीने का दबाव बनाया। ड्रिंक पीने के कुछ ही मिनट बाद उसे चक्कर आने लगे और उसकी हालत बिगड़ गई। युवती ने आरोप लगाया कि डांस सिखाने के बहाने उसे गलत तरीके से छुआ। इस दौरान उसकी तबीयत और खराब हो गई तथा उसे कई बार उल्टियां हुईं।

देश और समाज के निर्माण में व्यापारियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका : अनिमेष अग्रवाल

प्रयागराज (हिंस)। देश और समाज के निर्माण में व्यापारियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह बात अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, प्रयागराज द्वारा मंगलवार को प्रेरणा दिवस के अवसर प्रयागराज महानगर अध्यक्ष अनिमेष अग्रवाल ने कहा। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर व्यापारी वर्ग भी राष्ट्रहित में अपना योगदान और बलिदान देने से पीछे नहीं हटता। उन्होंने कहा कि प्रेरणा दिवस व्यापारियों को समाज सेवा, एकता और संगठन की शक्ति का संदेश देता है। जिलाध्यक्ष लालू मित्तल ने बताया कि संगठन प्रत्येक वर्ष 26 मई को प्रेरणा दिवस के रूप में मनाता है। इसी क्रम में इस वर्ष भी बाजार क्षेत्र में लोगों को शरबत और बिस्कुट वितरित कर सेवा और समर्पण का संदेश दिया गया। बड़े मंगल के अवसर पर इसे प्रसाद के रूप में भी श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया गया, जिससे कार्यक्रम का महत्व और बढ़ गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 1979 में लखनऊ के अमीनाबाद बाजार में सर्वे छापे के दौरान व्यापारी हरिश्चंद्र अग्रवाल पुलिस गोलीबारी में शहीद हो गए थे। उनकी पुण्यतिथि को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल प्रेरणा दिवस के रूप में मनाकर उनके संघर्ष और बलिदान को याद करता है। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, प्रयागराज द्वारा मंगलवार को प्रेरणा दिवस के अवसर पर शाहगंज इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में शरबत एवं बिस्कुट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ज्येष्ठ माह के बड़े मंगल के शुभ अवसर के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारियों, ग्राहकों और राहगीरों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल के मार्गदर्शन में व्यापारी हितों के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले कई व्यापारियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में व्यापारियों ने संगठन की गतिविधियों की सराहना करते हुए समाज और व्यापार जगत के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उमाशंकर केशरी, राजकुमार केसरवानी, सुनील वर्मा, राजेश जायसवाल, दादा ओम साईं, शश्री चंद, पूरन केवलानी, पवन केवलानी, भारत नेता, अनुल हसन, जीशान, मोहतसीम, आमिर, सुदर्शन सिंह, अभिनव, अंतस अग्रवाल, आलोक जायसवाल, नरेश, सूरज माधवानी, राजू, अजय शर्मा, शत्रुघ्न, अभिषेक सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन व्यापारी एकता, सेवा भावना और समाज के प्रति समर्पण के संदेश के साथ हुआ।

पंजाब नगर निकाय चुनावों के लिए मतदान में दिखा जबरदस्त उत्साह, 7555 उम्मीदवार मैदान में

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में 8 नगर निगमों, 75 नगर परिषदों और 20 नगर पंचायतों के लिए आज सुबह 8 बजे से शुरू हुए मतदान में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। राज्य में हो रहे इन स्थानीय निकाय चुनावों को वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल माना जा रहा है। इन चुनावों में कुल 7555 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। मतदान शाम 5 बजे तक चलेगा, जबकि मतगणना और परिणाम 29 मई को घोषित किए जाएंगे। कुल उम्मीदवारों में से 79 प्रत्याशी पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। चुनाव आयोग के अनुसार इन चुनावों के लिए कुल 35,45,567 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 18,33,712 पुरुष, 17,11,635 महिलाएं और 220 अन्य मतदाता शामिल हैं। राजनीतिक दलों की बात करें तो आम आदमी पार्टी ने सबसे अधिक 1,801 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। भारतीय जनता पार्टी के 1,316, कांग्रेस के 1,550, शिरोमणि अकाली दल के 1,251 और बहुजन समाज पार्टी के 96 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा 1,528 निर्दलीय और 13 अन्य उम्मीदवार भी मैदान में हैं। मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पोलिंग स्टेशनों और संवेदनशील क्षेत्रों में भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक 740 बूथों को संवेदनशील और 275 को अति संवेदनशील घोषित किया गया है। इन चुनावों के लिए करीब 35,000 कर्मचारी चुनाव ड्यूटी पर लगाए गए हैं, जबकि सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए 32,000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

भ्रूण लिंग जांचने वाले अस्पताल पर स्वास्थ्य विभाग ने की छापेमारी

फरीदाबाद (हिंस)। शहर के एक नंबर स्थित फावड़ा सिंह चौक के पास बने लीलावती अस्पताल में भ्रूण लिंग जांच करने की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार देर रात छापेमारी की। यह कार्रवाई पीएनडीटी एक्ट के तहत की गई। स्वास्थ्य विभाग की इस रेड में फरीदाबाद और गुरुग्राम की संयुक्त टीम शामिल रही। अधिकारियों के अनुसार कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई थी। पीएनडीटी विभाग के अधिकारी डॉ. आयुष कुमार ने बताया कि विभाग को जानकारी मिली थी कि उक्त अस्पताल में अवैध रूप से भ्रूण लिंग जांच की जा रही है। सूचना मिलने के बाद फरीदाबाद के सिविल सर्जन के नेतृत्व में दो टीमों का गठन किया गया। एक टीम फरीदाबाद की थी, जबकि दूसरी गुरुग्राम की सीक्रेट टीम थी। योजना के तहत एक महिला को गुप्त तरीके से अस्पताल भेजा गया, ताकि पूरे मामले की पुष्टि की जा सके। अधिकारियों के अनुसार अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों और स्टाफ से महिला की भ्रूण लिंग जांच कराने की बात की गई, जिस पर वे तैयार हो गए। टीम का कहना है कि महिला से भ्रूण लिंग जांच के लिए कुल 36 हजार रुपए मांगे गए थे। इनमें से 20 हजार रुपए केवल लिंग जांच के नाम पर लिए गए थे। जैसे ही महिला को जांच के लिए अंदर कमरे में ले जाया गया, पहले से मौजूद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तुरंत छापेमारी कर दी। रेड के दौरान मौके से ओमप्रकाश समेत अन्य लोगों को पकड़ लिया गया। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल में मौजूद उन उपकरणों और सामान को भी जब्त कर लिया, जिनका इस्तेमाल भ्रूण लिंग जांच में किया जा रहा था।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर स्वास्थ्य मंदिरों में होंगे जागरूकता कार्यक्रम

जयपुर (हिंस)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से जयपुर प्रथम जिले में 31 मई तक व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों एवं विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों पर एएनएम और आशा सहयोगिनियों द्वारा तंबाकू निषेध संबंधी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि अभियान के दौरान आमजन को बीड़ी, सिगरेट, जर्दा, खैनी, गुटखा एवं अन्य तंबाकू उत्पादों से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही तंबाकू सेवन से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक नुकसान की जानकारी देकर लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समुदाय स्तर पर रैलियां, प्रभात फेरियां और जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से लोगों तक संदेश पहुंचाया जाएगा। आशा एवं एएनएम द्वारा वीएचएसएनसी और महिला आरोग्य समिति की बैठकों में भी तंबाकू निषेध विषय पर विशेष चर्चा की जाएगी। अभियान के तहत तंबाकू सेवन करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें परामर्श एवं आवश्यक रेफरल सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

उप्र में विभिन्न सड़क हादसों में 23 की मौत, कई घायल

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में चौबीस घंटे में कई मार्ग दुर्घटनाओं में 23 लोगों की मौत हो गई। चली गई हैं। सबसे भीषण दुर्घटना उन्नाव जिले में हुई, जहां एक सब इंस्पेक्टर व कैदी समेत छह लोगों की मौत हो गई है। इस दुर्घटना में 21 अन्य यात्री भी घायल हुए है। जिनमें तीन सिपाही भी शामिल है। इसके अलावा बाराबंकी जिले में चार, नोएडा में विभिन्न स्थानों आठ, अलीगढ़ में तीन, हमीरपुर और मीरजापुर में एक एक व्यक्ति की मौत हुई। उन्नाव पुलिस की मुताबिक, औरास थाना क्षेत्र अंतर्गत लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार सुबह भोर में एक डबल डेकर बस पलटने से छह लोगों की मौत हो गई है। दुर्घटना में मरने वालों में बिहार के जिला सीवान पुलिस लाइन में तैनात एक सब इंस्पेक्टर रामचंद्र राम और गुरुग्राम निवासी कैदी छत्तरपाल सिंह तोमर भी शामिल है। अन्य मृतकों में विजय गुप्ता, रवि वरन, सूरज जमालाल और पल्लव कुमार शामिल हैं। ये सभी पुलिसकर्मी कैदी छत्तरपाल सिंह तोमर को गुरुग्राम की एक कोर्ट में गवाही दिलाने के वापस सीवान आ रहे थे। डबल डेकर बस में 30 से ऊपर यात्री सवार थे और अधिकांश यात्री बिहार प्रदेश के रहने वाले हैं। एक अन्य घटना बाराबंकी जिले में सोमवार देर रात जिले के हैदरगढ़ थाना क्षेत्र में हुई। इस सड़क हादसे में चार लोगों की जान चली गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया। मृतकों की पहचान चंदौली जिले के रहने वाले राहुल कुमार, गाजीपुर निवासी राहुल सिंह, बलिया निवासी सत्यम सिंह और सुरज सिंह के रूप में हुई है। वहीं पंकज, प्रशांत और चन्दन गंभीर रूप से घायल हो गए। नोएडा के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पिछले 24 घंटे में हुई दुर्घटनाओं में आठ लोगों की मौत हुई है। थाना सेक्टर 126 के प्रभारी निरीक्षक सोमेश कुमार ने बताया कि बीतीरात सड़क हादसे में घायल आशीष चंद्र पांडे की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। इसी तरह सूरजपुर थाना में एक बुजुर्ग हरेन्द्र की जान चली गई। थाना सेक्टर 24 में बीती रात को हुए एक सड़क हादसे में 50 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई है। इसके अलावा थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में लोकेश की भी सड़क हादसे में मौत हो गई है। बादलपुर थाना क्षेत्र में सूरज की मौत हो गई। थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में बुजुर्ग हीरा यादव की मौत हो गई है। इनके अलावा दादरी थाना क्षेत्र में बीती रात सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई है। मृतक की पहचान गौरव कुमार (28) के रूप में हुई थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसी तरह नोएडा में थाना सेक्टर 113 क्षेत्र स्थित एक रोड़ी-बदरपुर के गोदाम पर काम करने वाले नाबालिग ट्रैक्टर चालक बदायूं निवासी अनूप (16) का ट्रैक्टर पलट गया। इस घटना में ट्रैक्टर के नीचे दबने से उसकी मौत हो गई। इस मामले में उसके परिजनों ने थाना में मुकदमा दर्ज करवाया है। अलीगढ़ जिले के पनेठी क्षेत्र में में मंगलवार तड़के दो ट्रकों की टक्कर में एक बच्ची समेत तीन लोगों की जान चली गई है। मृतकों की पहचान वीरेंद्र, नितेश और तीन साल की बच्ची सूर्यांशी के रूप में हुई है। ये सभी कन्नौज के रहने वाले हैं। ट्रक में पेपर रोल लदा था, जो हरियाणा जा रहा था। इसी तरह हमीरपुर जिले में सोमवार की आधी रात को मौदहा कस्बा स्थित रहमानिया इंटर कॉलेज के पास स ?क किनारे पटरी पर लेटे एक बुजुर्ग दिव्यांग अरसद उर्फ बाबू (60) को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके अलावा मीरजापुर के ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के लालापुर-सेमरा कलां संपर्क मार्ग स्थित लालापुर गांव में सोमवार रात ट्रैक्टर ट्रॉली से टकराकर बाइक सवार दो युवक नहर में जा गिरे। हादसे में मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान नागेश के रूप में हुई है, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। इस संबंध में थानाध्यक्ष भारत सुमन ने मंगलवार को बताया कि अज्ञात ट्रैक्टर ट्रॉली से टकराने के कारण बाइक सवार नागेश की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायल श्याम सुंदर का उपचार कराया जा रहा है।

अभिनेता योगराज को चंडीगढ़ जिला अदालत से झटका, अग्रिम जमानत याचिका खारिज

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब से जुड़े एक्टर और पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह को चंडीगढ़ जिला अदालत से बड़ा झटका लगा है। महिलाओं पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में दायर उनकी अग्रिम जमानत याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। अदालत के इस फैसले के बाद अब योगराज सिंह ने मामले में राहत के लिए पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर करने की तैयारी शुरू कर दी है। मामला सोशल मीडिया और सार्वजनिक बयानों में कथित तौर पर महिलाओं पर की गई टिप्पणी से जुड़ा है, जिसके बाद उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी। पुलिस ने मामले में प्रारंभिक जांच के बाद कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ाई थी और इसी दौरान अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई गई थी। कोर्ट के फैसले के बाद अब पूरा मामला उच्च न्यायालय में जाने की संभावना है, जहां योगराज सिंह की ओर से राहत की मांग की जाएगी। फिलहाल पुलिस जांच जारी है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कोर्ट के आगामी फैसलों पर निर्भर करेगी। चंडीगढ़ के दो एडवोकेट उज्ज्वल भसीन और जतिन वर्मा ने इस मामले में एसएसपी को शिकायत दी थी कि सोशल मीडिया पर 17 सेकेंड की एक वीडियो क्लिप वायरल हुई, जिसमें महिलाओं के खिलाफ अभद्र और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। यह वीडियो अमेजन प्राइम वीडियो पर 8 मई को रिलीज हुई हिंदी वेब सीरीज लुक्खे के एक एपिसोड का हिस्सा बताया गया है। शिकायतकर्ताओं का कहना था कि इस तरह की भाषा महिलाओं की गरिमा और सम्मान पर सीधा हमला है।

सारण में गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं ने सरयू और गंगा नदी में लगाई डुबकी

सारण (हिंस)। ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाए जाने वाले पर्व गंगा दशहरा के अवसर पर जिले के मांझी, रामघाट, गोदना, सिमरिया, सिद्ध घाट, तिवारी घाट, डोरीगंज, चिरांद घाट और आमी मंदिर घाट सहित दर्जनों घाटों पर सुबह सूर्योदय से पहले ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। दिन चढ़ने के साथ भीड़ इस कदर बढ़ी कि चारों ओर आस्था का समंदर नजर आने लगा। श्रद्धालुओं ने सरयू और गंगा नदी के पवित्र जल में डुबकी लगाकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य तथा पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों सहित पूरे परिवार ने जल अर्पित कर पूजा-अर्चना की और जरूरतमंदों के बीच दान देकर पुण्य अर्जित किया। इस दौरान घाटों का माहौल भजन-कीर्तन और हर-हर गंगे के जयघोष से गुंजायमान रहा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन मां गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था, जिससे दस प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है। श्रद्धालुओं की इस भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन मुस्तैद रहा। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और लोगों को गहरे पानी में जाने से बचाने के लिए सभी प्रमुख घाटों पर सुरक्षा के प्रबंध किए गए थे।

संभल की शाही जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर होने का दावा वाली याचिका पर सुनवाई 21 जुलाई को

संभल (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल की सदर तहसील क्षेत्र में स्थित शाही जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर होने का दावा पेश करने वाली याचिका में मंगलवार सिविल जज सीनियर डिवीजन ने सुनवाई की। अदालत ने इस प्रकरण की अगली तिथि 21 जुलाई नियत की है। जनपद संभल की सदर तहसील क्षेत्र में स्थित शाही जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर होने का दावा पेश करने वाली याचिका पर आज 26 मई को जिला न्यायालय में सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य सिंह के कोर्ट में सुनवाई हुई लेकिन सुप्रीम कोर्ट से स्टे होने के कारण न्यायलय ने इस मामले में सुनवाई के लिए अगली तिथि 21 जुलाई 2026 नियत की है।

जनजातीय गरिमा उत्सव जिले के 51 गांवों में अब तक 104 शिविर आयोजित

जोधपुर (हिंस)। जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार आयोजित जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 के अंतर्गत जोधपुर जिले में जनजातीय समुदायों एवं पात्र परिवारों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में व्यापक स्तर पर लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार मिश्रा ने बताया कि अभियान के अंतर्गत अब तक जिले के 51 गांवों में कुल 104 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें लगभग 10 हजार 81 लोगों की सहभागिता दर्ज की गई है। शिविरों के माध्यम से विभिन्न विभागों द्वारा मौके पर ही सेवाएं उपलब्ध कराते हुए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिविरों के दौरान प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 107 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया, जबकि 305 आधार कार्ड एवं 228 आयुष्मान भारत कार्ड बनाए गए। इसके अतिरिक्त 270 जाति प्रमाण पत्र एवं 281 मूल निवास प्रमाण पत्र जारी किए गए। वहीं मनरेगा से संबंधित 435 प्रकरणों का निस्तारण किया गया तथा मिशन इंद्रधनुष के तहत 415 लाभार्थियों को सेवाएं प्रदान की गईं। मिश्रा ने बताया कि अभियान के दौरान कृषि एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। किसान क्रेडिट कार्ड के 87, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के 158, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के 177 तथा प्रधानमंत्री जनधन योजना के 74 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इसके साथ ही पेंशन योजना के 110 तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के 131 प्रकरणों में कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत संचालित क्षय रोग (टीबी) सक्रिय खोज अभियान के तहत 4 संभावित मामलों की पहचान की गई है तथा आवश्यक चिकित्सा प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है।

भारत-कनाडा साल के अंत तक व्यापार समझौता वार्ता पूर्ण करने पर कर रहे विचार

गोयल ने कनाडा में भारत की विकास यात्रा और बाजार के अवसरों की सराहना की

कार्नी से भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर की वार्ता

ओटावा

भारत और कनाडा ने आर्थिक संबंधों को फिर से मजबूत करने की दिशा में नई पहल का संकेत दिया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि दोनों देश इस साल के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी करने पर विचार कर रहे हैं। गोयल ने विश्वास जताया कि दोनों देश 2030 तक अपने द्विपक्षीय व्यापार को तीन गुना बढ़ाकर 50 अरब डालर तक पहुंचा सकते हैं। साथ ही इस साल के अंत से पहले लंबे समय से लंबित मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का लक्ष्य भी रखा है। पीयूष गोयल ने मंगलवार को एक्स पोस्ट पर लिखा कि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार और रणनीतिक साझेदारी को नए स्तर पर ले जाने के लिए काम कर रहे हैं।

गोयल ने कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह में भारत की विकास यात्रा और बाजार में मौजूद बेहतरीन अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने ओटावा में हुई सार्थक चर्चाओं की सराहना भी की और अर्थव्यवस्था व संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में गहरे संबंध बनाने में भारतीय प्रवासियों के योगदान की तारीफ़ की। गोयल ने कहा कि मैंने भारत की असाधारण विकास यात्रा के बारे में बात की, जो यहां के लोगों की आकांक्षाओं, उद्यमशीलता की जीवंत भावना, विशाल प्रतिभा-भंडार और बाजार के व्यापक अवसरों से प्रेरित है। इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने भारत-कनाडा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के शीघ्र संपन्न होने को लेकर आशावाद भी व्यक्त किया। गोयल ने कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उनकी हाल की भारत यात्रा को स्नेहपूर्वक याद किया, जिसने भारत-कनाडा साझेदारी को एक नई गति और नया आत्मविश्वास प्रदान किया है।

न्यूज ब्रीफ

बहुप्रतीक्षित नई होंडा सिटी फेसलिफ्ट 2026 लांच

नई दिल्ली। भारतीय आटोमोबाइल बाजार में होंडा कार्स इंडिया ने अपनी बहुप्रतीक्षित नई होंडा सिटी फेसलिफ्ट 2026 को शानदार अपडेट्स के साथ लान्च कर दिया है। कंपनी ने इस माडल में कई नए फीचर्स और डिजाइन अपग्रेड दिए हैं, जो इसे पहले से कहीं अधिक प्रीमियम और आधुनिक बनाते हैं। इस सेडान की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 11.99 लाख रुपये तय की गई है, जो इसे ग्राहकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है। यह कार अब पेट्रोल और स्ट्रान्ग हाइब्रिड दोनों पावरट्रेन विकल्पों में उपलब्ध होगी, जिससे ग्राहकों को अपनी पसंद और जरूरतों के अनुसार चुनाव करने की सुविधा मिलेगी। नई होंडा सिटी फेसलिफ्ट में नई एलईडी लाइटिंग, एक अपडेटेड फ्रंट ग्रिल, स्पोर्टी बंपर और नए डिजाइन के 16 इंच ड्यूल टोन अलाय व्हील्स दिए गए हैं, जो इसके बाहरी लुक को और अधिक प्रभावशाली बनाते हैं। इंटीरियर की बात करें तो, इसमें ट्-टोन डिजाइन, एक बड़ी फ्लोटिंग टचस्क्रीन, 360 डिग्री कैमरा, वेंटिलेटेड सीट्स और यूएसबी-सी चार्जिंग पोर्ट्स जैसे प्रीमियम फीचर्स शामिल किए गए हैं, जो ड्राइवर और यात्रियों दोनों के लिए आरामदायक और सुविधाजनक अनुभव प्रदान करते हैं। कार में 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन और स्ट्रान्ग हाइब्रिड विकल्प मिलता है। हाइब्रिड माडल की खासियत यह है कि यह 27.26 किलोमीटर प्रति लीटर तक का प्रभावशाली माइलेज देने में सक्षम है। सुरक्षा के मोर्चे पर, होंडा ने इसमें अपनी उन्नत होंडा सेंसिंग एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम) तकनीक दी है, जिसमें एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल और लेन कीप असिस्ट जैसे महत्वपूर्ण फीचर्स मौजूद हैं, जो सफर को और अधिक सुरक्षित बनाते हैं।

सही सेटिंग्स और आसान तरीकों से पाए कार की कूलिंग तथा माइलेज

नई दिल्ली। सही सेटिंग्स और कुछ आसान तरीकों को अपनाकर कार के एसी की बेहतरीन कूलिंग के साथ-साथ ईंधन की बचत भी की जा सकती है, जिससे आपकी जेब पर पड़ने वाला बोझ कम होगा। आटोमोबाइल विशेषज्ञों का कहना है कि, कार स्टार्ट करते समय पहली कुछ मिनटों के लिए सभी खिड़कियां खोल देना एक महत्वपूर्ण कदम है। ऐसा करने से कार के अंदर जमा हुई गर्म हवा तेजी से बाहर निकल जाती है। इसके बाद जब आप एसी चालू करते हैं, तो केबिन बहुत जल्दी ठंडा होता है और कंप्रेसर पर अनावश्यक दबाव भी कम पड़ता है। यह तरीका न केवल कूलिंग को तेज करता है, बल्कि ईंधन की खपत को भी कम करता है। इसके अतिरिक्त, कार में दिए गए री-सर्कुलेशन मोड का सही उपयोग भी माइलेज बेहतर रखने में सहायक होता है। शुरुआत में इस मोड को बंद रखना चाहिए ताकि बाहर की ताजी हवा अंदर आ सके और केबिन को ठंडा करने में मदद मिले। एक बार जब केबिन ठंडा हो जाए, तो री-सर्कुलेशन मोड को चालू कर देना चाहिए। इससे ठंडी हवा कार के भीतर ही बनी रहती है, और एसी को बार-बार बाहर की गर्म हवा को ठंडा करने के लिए अतिरिक्त मेहनत नहीं करनी पड़ती। विशेषज्ञों का मानना है कि इन सरल तरीकों को अपनाकर ड्राइवर गर्मियों में भी अपनी कार का एसी कुशलतापूर्वक उपयोग कर सकते हैं, जिससे उन्हें बेहतर कूलिंग के साथ-साथ शानदार माइलेज भी मिलेगा।

रियलमी बडस एयर 8 प्रो लान्च बैट्री चलेगी 50 घंटे

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में रियलमी ने अपने नए प्रीमियम ट्रू वायरलेस ईयरबड्स रियलमी बडस एयर 8 प्रो लान्च कर दिए हैं। इन्हें रियलमी 16अ स्मार्टफोन और रियलमी वाच एस 5 के साथ पेश किया है। बेहतर आडियो अनुभव, लंबी बैटरी लाइफ और एडवांस नाइज कैंसिलेशन फीचर्स के साथ नए ईयरबड्स को बाजार में उतारा गया है।

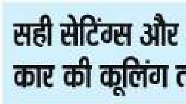

कंपनी का दावा है कि ये ईयरबड्स हाई रेजोलूशन आडियो सपोर्ट के साथ शानदार साउंड क्वालिटी प्रदान करेंगे। रियलमी बडस एयर 8 प्रो की कीमत भारत में 6,999 रुपये रखी गई है। लान्च आफर के तहत ग्राहकों को 300 रुपये तक का डिस्काउंट भी दिया जा रहा है। ये ईयरबड्स मास्टर व्हाइट और मास्टर ब्लैक रंग विकल्पों में उपलब्ध होंगे। ईयरबड्स में 11एमएम डायनेमिक बास ड्राइवर और 6एमएम माइक्रो प्लानर ट्वीटर दिया गया है। कंपनी के अनुसार, यह डिवाइस 20एचझेड से 40केएचझेड तक का फ्रीक्वेंसी रिस्पान्स सपोर्ट करता है, जिससे लो, मिड और हाई फ्रीक्वेंसी पर बेहतर आडियो क्वालिटी मिलती है। इसके साथ 55डीबी तक का एडाप्टिव एक्टिव नाइज कैंसिलेशन फीचर भी दिया गया है।

रक्षा क्षेत्र में बड़ा बदलाव, डीआरडीओ निजी कंपनियों को देगा मिसाइल तकनीक का लाइसेंस

पाकिस्तान और वैश्विक संघर्षों से सबक, बैलिस्टिक मिसाइलों के उत्पादन में तेजी आएगी

नई दिल्ली

भारत अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। पश्चिम एशिया और यूक्रेन में चल रहे युद्धों से मिली रणनीतिक सीखों और पड़ोसी पाकिस्तान द्वारा अपनी मिसाइल क्षमताओं के विस्तार को देखते हुए भारत लंबी दूरी की एयर-टू-एयर और सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों के उत्पादन में तेजी लाएगा। इस महत्वपूर्ण पहल में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) इन उन्नत हथियारों के निर्माण के लिए घरेलू निजी कंपनियों को साझीदार बनाएगा और उन्हें आवश्यक प्रौद्योगिकी का लाइसेंस प्रदान करेगा। रक्षा मंत्रालय के एक उच्च पदस्थ सूत्र ने, नाम न छापने की शर्त पर, यह जानकारी दी है। निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी सूत्रों के अनुसार डीआरडीओ को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वह निजी क्षेत्र को मिसाइल प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण करे। यह कदम रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है।

डीआडीओ ने पहले ही छोटी दूरी की वायु-रक्षा मिसाइलों और एंटी-शिप मिसाइलों जैसे कुछ हथियारों के लिए निजी साझेदारों को सूचीबद्ध करना शुरू कर दिया है। आने वाले दिनों में, संगठन अन्य गैर-रणनीतिक मिसाइलों के लिए भी इसी तरह की साझेदारियां करेगा, जिससे रक्षा निर्माण में निजी उद्योग की भूमिका का विस्तार होगा। युद्ध के सबक और क्षेत्रीय चुनौतियां इस दिशा में तेजी लाने के पीछे कई महत्वपूर्ण रणनीतिक कारण हैं। वेस्ट एशिया और यूक्रेन में जारी संघर्षों ने आधुनिक युद्ध में लंबी दूरी की मारक क्षमता और वायु रक्षा प्रणालियों के महत्व को रेखांकित किया है। इसके अतिरिक्त, पाकिस्तान ने पिछले साल अगस्त में अपनी आर्मी राकेट फोर्स के गठन की घोषणा कर अपनी मिसाइल क्षमताओं को मजबूत करने का संकेत दिया था। इन क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों ने भारत को अपनी मिसाइल शक्ति को बढ़ाने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया है।

प्रमुख मिसाइलें: एस्ट्रा और बैलिस्टिक हथियार इस पहल के तहत जिन मिसाइलों को निजी क्षेत्र की साझेदारी के लिए सबसे मुफीद चिह्नित किया गया है, उनमें एस्ट्रा बियान्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल और विकास के अधीन विभिन्न प्रकार की सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं। एस्ट्रा, डीआरडीओ द्वारा विकसित एक स्वदेशी गाइडेड मिसाइल है, जिसे पायलट की दृष्टि से परे 100 किलोमीटर से अधिक की सीमा में हवाई लक्ष्यों को सफलतापूर्वक भेदने के लिए डिज़ाइन किया गया है। वहीं, विचाराधीन बैलिस्टिक मिसाइलें विभिन्न प्रकार के पारंपरिक वारहेड ले जाने में सक्षम होंगी, जिससे भारतीय सेना की मारक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और निजी भागीदारी रक्षा सचिव ने इस साल अप्रैल में राष्ट्रीय राजधानी में एक सुरक्षा शिखर सम्मेलन में बोलते हुए पारंपरिक मिसाइल बल स्थापित करने के विचार पर जोर दिया था। उन्होंने ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच संघर्षों और पाकिस्तान की घोषणा को इस कदम के पीछे के कारणों के रूप में बताया था। मई में एक उद्योग शिखर सम्मेलन में उन्होंने तर्क दिया था कि अब समय आ गया है कि विभिन्न प्रकार की बैलिस्टिक मिसाइलों की तकनीक को निजी क्षेत्र को हस्तांतरित किया जाए। उन्होंने ऐसे हथियारों के बढ़ते उपयोग पर प्रकाश डाला, जो कभी केवल परमाणु वितरण तक सीमित थे, और आश्वासन दिया कि सरकार इस क्षेत्र में निजी क्षेत्र की पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएगी।

भारत अब कम लागत नहीं, वैश्विक दवा नवाचार का रणनीतिक केंद्र

बहुराष्ट्रीय कंपनियां उच्च-मूल्य क्लीनिकल अनुसंधान और आरएंडडी कार्यों को भारत भेज रहीं

वैश्विक दवा आरएंडडी में भारत की धाक: कम लागत से रणनीतिक नवाचार हब तक का सफर

नई दिल्ली

वैश्विक दवा उद्योग के लिए भारत अब महज़ एक कम लागत वाले आउटसोर्सिंग गंतव्य से कहीं आगे निकलकर रणनीतिक नवाचार और निर्णायक केंद्र के रूप में तेज़ी से उभर रहा है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां अब अधिक मूल्य वाले क्लीनिकल अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) कार्यों को भारत स्थानांतरित कर रही हैं। वैश्विक क्लीनिकल अनुसंधान और दवा विकास सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी पैरेक्सल ने इस बड़े बदलाव की पुष्टि की है। पैरेक्सल के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार भारत अब केवल लागत लाभ तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि मूल्य सृजन का केंद्र बन गया है। पैरेक्सल के उदाहरण से ही इस बदलाव का अंदाज़ा लगाया जा सकता है, जहां कंपनी के 24,000 से अधिक वैश्विक कार्यबल में भारत की हिस्सेदारी 6,000 से अधिक कर्मचारियों यानी लगभग 25 से 30 प्रतिशत हो गई है। भारतीय परिचालन अब पारंपरिक सहायक कार्यों से आगे बढ़कर प्रमुख क्लीनिकल गतिविधियों की व्यापक श्रृंखला को संभाल रहे हैं। इनमें क्लीनिकल परिचालन, फार्माकोविजिलेंस, नियामकीय मामले, बायोस्टैटिस्टिक्स, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और एआई-सक्षम स्वचालन जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कई बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों ने भारत में बड़े क्षमता हब स्थापित कर लिए हैं और अहम कार्य व निर्णायक जिम्मेदारियां धीरे-धीरे अमेरिका और यूरोप से भारतीय केंद्रों में आ रही हैं। पैरेक्सल को उम्मीद है कि अगले तीन वर्षों में भारत में उसके कर्मचारियों की संख्या 8,000 तक पहुंच सकती है। यह बदलाव ऐसे समय आया है, जब भारत का नियामकीय माहौल और क्लीनिकल परीक्षण का तंत्र लगातार परिपक्व हो रहा है। उन्होंने पुष्टि की कि भारत के क्लीनिकल परीक्षण संबंधी नियम लगातार अमेरिका के एफडीए, ब्रिटेन की एमएचआरए और यूरोपीय ईएमए जैसे वैश्विक मानकों के अनुरूप हो रहे हैं।

अमेरिका-ईरान तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में तेज़ी

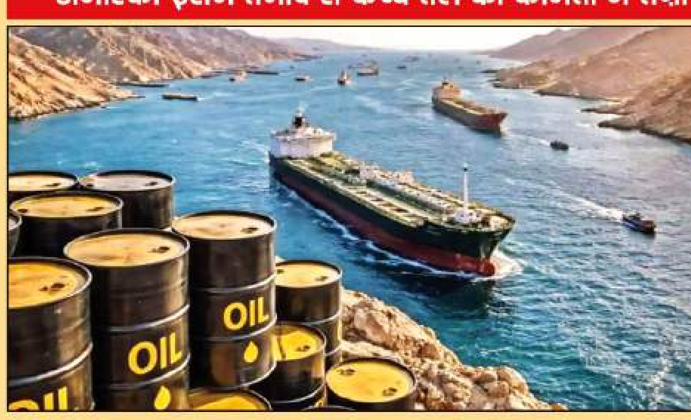

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा ईरान के दक्षिणी हिस्से में सैन्य कार्रवाई के बाद मंगलवार को एशियाई बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। इस कार्रवाई ने पहले से ही अनिश्चित चल रही अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में चिंताएँ बढ गई हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.5 प्रतिशत बढ़कर 97.56 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गई, जबकि सोमवार को इसमें 7 प्रतिशत की भारी गिरावट आई थी। वहीं अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई भी 91.25 डालर प्रति बैरल पर पहुँच गया। अमेरिका ने ईरान के दक्षिणी हिस्से में मिसाइल लान्च साइट्स और बारूदी सुरंग बिछाने वाली नौकाओं को निशाना बनाया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस कार्रवाई को अपने सैनिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक बताया। ईरानी मीडिया के अनुसार, बंदर अब्बास और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास धमाकों की आवाजें सुनी गईं। कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता चल रही है, जहां शुरुआती समझौते पर प्रगति की बात कही जा रही है। इस संभावित समझौते में युद्धविराम और अंतिम समझौते के लिए 60 दिन का समय शामिल है, साथ ही ईरान द्वारा 30 दिनों के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य से बारूदी सुरंगें हटाने का प्रावधान भी है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई तेजी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में सोना 320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 340 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत में 520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 570 रुपये प्रति 10 ग्राम तक का इजाफा हुआ है। भाव में आए उछाल के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,59,390 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,61,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,46,110 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,59,540 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,61,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,47,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,59,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,59,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,46,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,59,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

पश्चिम एशिया में शांति होने की उम्मीद के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान पाजिटिव माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.37 प्रतिशत उछल कर 7,473.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,343.97 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 324.76 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की छलांग लगा कर 50,904.46 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,466.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 172.26 अंक यानी 2.09 प्रतिशत की जोरदार छलांग लगा कर 8,258.26 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 782.33 अंक यानी 3.08 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी के साथ 25,389.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, वहीं चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। कोस्पी इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 258.99 अंक यानी 3.30 प्रतिशत उछल कर 8,106.70 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 147.97 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की छलांग लगा कर 25,754 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,557.99 अंक के स्तर पर और ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की मामूली उछाल के साथ 45,654.59 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 97.50 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,029.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,059.19 अंक के स्तर पर आ गया है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 1.11 प्रतिशत फिसल कर 6,137.64 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.84 प्रतिशत लुढ़क कर 4,117.85 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 118.19 अंक यानी 0.18 प्रतिशत टूट कर 65,040 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

खेल प्रशासन में ऐतिहासिक बदलाव : केंद्र सरकार ने बनाया राष्ट्रीय खेल बोर्ड और खेल न्यायाधिकरण

अब खेल संघों पर होगी कड़ी निगरानी, खिलाड़ियों और संस्थाओं को मिलेगा तेज़ व सस्ता न्याय

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने भारतीय खेल व्यवस्था में बड़े सुधार की दिशा में अहम कदम उठाते हुए राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम 2025 के तहत राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल बोर्ड) नियम 2026 और राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण) नियम 2026 को अधिसूचित कर दिया है। प्रेस सूचना कार्यालय (पीआईबी) की ओर से मंगलवार सुबह जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इन नए नियमों के लागू होने के बाद देश में खेल संघों की कार्यप्रणाली, पारदर्शिता और खेल विवादों के निपटारे की व्यवस्था पूरी तरह बदलने की उम्मीद है। सरकार का मानना है कि इससे खेल प्रशासन अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और पेशेवर बनेगा।

राष्ट्रीय खेल बोर्ड करेगा खेल संघों की निगरानी – नए नियमों के तहत राष्ट्रीय खेल बोर्ड का गठन किया जाएगा, जिसमें एक अध्यक्ष और दो सदस्य होंगे। इनकी नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा चयन समिति की सिफारिश पर की जाएगी। यह बोर्ड देश के राष्ट्रीय खेल निकायों को मान्यता देने, उनके प्रशासनिक ढांचे, वित्तीय पारदर्शिता और नैतिक मानकों की निगरानी करने का कार्य करेगा। सरकार के अनुसार अब खेल संघों को बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था और वित्तीय अनुशासन का पालन करना होगा।

खेल विवादों के लिए बनेगा विशेष न्यायाधिकरण - सरकार ने खेलों से जुड़े मामलों के त्वरित समाधान के लिए राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण बनाने का भी फैसला किया है। यह न्यायाधिकरण खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल संघों और अन्य हितधारकों से जुड़े विवादों की सुनवाई करेगा। इसका उद्देश्य दीवानी अदालतों पर निर्भरता कम करना और कम खर्च में तेज़ न्याय उपलब्ध कराना है।

आनलाइन होगी पूरी प्रक्रिया – नए नियमों में डिजिटल व्यवस्था को विशेष महत्व दिया गया है। केंद्र सरकार एक विशेष आनलाइन पोर्टल शुरू करेगी, जहां विवाद दर्ज करने, दस्तावेज जमा करने, जवाब दाखिल करने और आदेश देखने की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा वर्चुअल सुनवाई और आनलाइन रिकार्ड प्रबंधन की भी व्यवस्था होगी।

खेल व्यवस्था को मिलेगा नया ढांचा – सरकार का कहना है कि ये नियम भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में अहम कदम हैं। इससे खिलाड़ियों को बेहतर माहौल, खेल संस्थाओं में पारदर्शिता और विवादों के त्वरित समाधान का लाभ मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026 के लिए कोलंबिया टीम घोषित, जेम्स रोड्रिगेज को मिली जगह

नई दिल्ली। कोलंबिया ने सोमवार को फीफा विश्व कप 2026 के लिए अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। टीम में पूर्व रियल मैड्रिड स्टार जेम्स रोड्रिगेज को शामिल किया गया है, जबकि अल नास्र के डिफेंडर जान दुरान को जगह नहीं मिली। मुख्य कोच नेस्टर लोरेन्जो की टीम में बायर्न म्यूनिख के स्टार फारवर्ड लुइस डियाज सबसे बड़े आकर्षण होंगे। कोलंबिया इस बार पहली बार विश्व कप खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगा। कोलंबिया वर्ष 2022 विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया था। वहीं 2018 विश्व कप में टीम इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हारकर प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई थी। कोलंबिया का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014 विश्व कप में रहा था, जब टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी और ब्राजील से हार गई थी। विश्व कप 2026 में कोलंबिया को ग्रुप-के में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला पुर्तगाल, उज्बेकिस्तान और डीआर कांगो से होगा। फीफा विश्व कप 2026 के लिए कोलंबिया की टीम, गोलकीपर : कैमिलो वर्गास, अल्वारो मोंटेरो, डेविड ओस्पिना, डिफेंडर : डेविंसन सांचेज, जान लुकुमी, येरी मीना, विलियम डिट्टा, डेनियल मुनोज, सैंटियागो आरियास, जोहान मोजिका, डेविन मचाडो, मिडफील्डर : जेफरसन लेर्मा, जुआन पोर्टिला, रिचर्ड रियोस, केविन कास्टानो, गुस्तावो पुर्ता, जान एरियास, जार्ज कारास्कल, जुआन फर्नांडो किंटेरो, जेम्स रोड्रिगेज, फारवर्ड : लुइस डियाज, जामिंटन कैंपाज, एंड्रेस गोमेज, लुइस सुआरेज, जान कार्डोबा, जान हर्नांडेज।

पांड्या के बचाव में उतरे कोच पोलार्ड

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस टीम के बल्लेबाजी कोच किरोन पोलार्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में खराब प्रदर्शन के लिए टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का बचाव किया है। पोलार्ड ने हालांकि अगले सत्र में बदलावों से इंकार नहीं किया है। मुम्बई का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा और वह नौवें स्थान पर रही। इससे पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। मुंबई इंडियंस इस सत्र में खिताब की प्रबल दावेदारों के तौर पर उतरी थी पर मैदान पर पूरी तरह से विफल रही। टीम का प्रदर्शन उम्मीदों से कहीं खराब रहा। पांड्या की कप्तानी में पिछले तीन सत्र में से दो बार टीम प्लेआफ की दौड़ से बाहर रही है। 2024 में पहली बार हार्दिक के नेतृत्व में टीम प्लेआफ में जगह नहीं बना पाई थी। 2025 में टीम ने शीर्ष चार में जगह बनाई थी, लेकिन क्वालीफायर 2 में हार का सामना करना पड़ा। और अब, आईपीएल 2026 में टीम नौवें स्थान पर रह गई है। मुंबई के लिए हार इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि उसके एक मजबूत कोर ग्रुप था। इसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव, हरफनमौला हार्दिक पांड्या, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा जैसे सितारे शामिल थे। इसके अतिरिक्त, पूर्व कप्तान और अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा भी टीम का अभिन्न हिस्सा थे। इन स्टार खिलाड़ियों के बाद भी टीम गेंद और बल्ले दोनों से संघर्ष करती नजर आई, जिससे हार्दिक पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर गहन चर्चा छिड़ गई। पोलार्ड ने कहा, पांड्या नेतृत्व के मामले में इस सत्र में उतने अच्छे नहीं रहे जितनी उनसे अपेक्षा थी पर सभी जानते हैं कि हमने टीम को अच्छा करने के लिए सभी अवसर दिये। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हार की स्थिति में किसी पर आरोप लगाना ठीक नहीं है बल्कि पूरी टीम को मिलकर आंकलन करना चाहिए।

एकदिवसीय में अर्धशतक और पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में तीन भारतीय भी शामिल

मुम्बई। एकदिवसीय क्रिकेट में कई रोमांचक और अनौखे रिकार्ड बने हैं। एक ऐसा ही रिकार्ड है एकदिवसीय में अर्धशतक के साथ ही मैच में पांच विकेट लेने का। ये रिकार्ड अब तक केवल 25 खिलाड़ियों के नाम है जिसमें तीन भारतीय खिलाड़ी और एक पाकिस्तानी खिलाड़ी भी शामिल हैं। सबसे पहले ये रिकार्ड साल 1987 में वेस्टइंडीज के वि रिचर्ड ने बनाया था। वहीं भारत की ओर से ये उपलब्धि सबसे पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज और वैकल्पिक स्पिनर कृष्णामाचारी श्रीकांत ने अपने नाम की थी। श्रेकांत ने 10 दिसंबर 1988 को विशाखापत्तनम में न्यूजीलैंड के खिलाफ, उन्होंने पहले केवल 27 रन देकर 5 महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। इसके बाद, उन्होंने बल्लेबाजी में भी जौहर दिखाते हुए 70 रनों की शानदार पारी खेली, जिससे भारत को जीत मिली।

अंडर-18 एशिया कप के लिए जापान रवाना हुई भारतीय पुरुष और महिला हाकी टीमें

केतन कुशवाहा और स्वीटी कुजूर संभालेंगे भारतीय टीमों की कमान

नई दिल्ली

भारतीय अंडर-18 पुरुष और महिला हाकी टीमें अंडर-18 एशिया कप 2026 में भाग लेने के लिए जापान के काकामिगाहारा रवाना हो गई हैं। यह टूर्नामेंट 29 मई से 6 जून तक आयोजित किया जाएगा।

भारतीय पुरुष टीम सोमवार शाम को दिल्ली से रवाना हुई, जबकि महिला टीम मंगलवार सुबह जापान के लिए रवाना हुई। दोनों टीमें भोपाल में आयोजित लंबे राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर और आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए अभ्यास मुकाबलों के बाद टूर्नामेंट में हिस्सा लेने जा रही हैं। पुरुष टीम के कोचिंग स्टाफ में सरदार सिंह और रजनीश मिश्रा शामिल हैं, जबकि भारतीय महिला टीम की कोच पूर्व कप्तान रानी हैं।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली उपयोगी तैयारी

एशिया कप की तैयारी के तहत भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने भोपाल में आस्ट्रेलिया अंडर-18 टीमों के खिलाफ चार-चार अभ्यास मुकाबले खेले।

भारतीय पुरुष टीम ने एक मुकाबला जीता, एक हारा, जबकि दो मैच ड्रा रहे। वहीं भारतीय महिला टीम ने श्रृंखला का समापन शानदार जीत के साथ किया। इन मुकाबलों से खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिला।

केतन कुशवाहा करेंगे पुरुष टीम की कप्तानी

फारवर्ड खिलाड़ी केतन कुशवाहा भारतीय पुरुष टीम की कप्तानी करेंगे। भारत को पूल-ए में रखा गया है।

भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 29 मई को कजाखस्तान के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम जापान (31 मई), कोरिया (1 जून) और चीनी ताइपे (3 जून) से भिड़ेगी।

पूल-बी में मलेशिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन की टीमें शामिल हैं।

दोनों पूलों की शीर्ष दो टीमें 5 जून को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जबकि फाइनल मुकाबला 6 जून को खेला जाएगा।

कप्तान केतन कुशवाहा ने कहा

भारत का प्रतिनिधित्व करना हमारे लिए गर्व की बात है। भोपाल शिविर और आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबलों से हमें काफी सीख मिली। टीम का तालमेल शानदार है और हम एशिया की मजबूत टीमों के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

स्वीटी कुजूर के नेतृत्व में उतरेगी महिला टीम

भारतीय महिला टीम की कप्तानी स्वीटी कुजूर करेंगी। महिला टीम को भी पूल-ए में रखा गया है।

भारत अपना पहला मुकाबला 30 मई को मलेशिया के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 31 मई को कोरिया और 2 जून को सिंगापुर से मुकाबला होगा।

दोनों पूलों की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

कप्तान स्वीटी कुजूर ने कहा, पूरी टीम एशिया कप को लेकर उत्साहित और आत्मविश्वास से भरी है। हमने शिविर में कड़ी मेहनत की है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबलों से हमें अपनी ताकत और कमजोरियों का पता चला। श्रृंखला जीतने से हमारा आत्मविश्वास और बढ़ा है। हम भारत को गौरवान्वित करने के लिए पूरा दम लगाएंगे।

बुंडेसलीगा से 29 साल बाद बाहर हुआ वोल्फसबर्ग, पैडरबोर्न ने अतिरिक्त समय में दर्ज की ऐतिहासिक जीत

पैडरबोर्न

जर्मन फुटबाल क्लब वोल्फसबर्ग 29 वर्षों बाद बुंडेसलीगा से बाहर हो गया। सोमवार को खेले गए रेलिगेशन प्लेआफ के दूसरे चरण में पैडरबोर्न ने अतिरिक्त समय में 2-1 से जीत दर्ज कर शीर्ष लीग में जगह बना ली।

दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला गोलरहित ड्रा रहा था। दूसरे चरण में वोल्फ्सबर्ग ने तीसरे मिनट में डेजनान पेजचिनोविच के गोल की बदौलत बढ़त बना ली थी, लेकिन पैडरबोर्न ने पहले हाफ खत्म होने से सात मिनट पहले फिलिप बिलबिजा के गोल से बराबरी कर ली।

मुकाबले में वोल्फ्सबर्ग की मुश्किलें तब बढ़ गईं जब जोआकिम मेहले को शुरुआती गोल के केवल 11 मिनट बाद रेड कार्ड दिखाया गया। उन्हें तीन मिनट के भीतर दो पीले कार्ड मिले और टीम को लगभग पूरा मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

इसके बाद पैडरबोर्न ने लगातार आक्रमण किए, लेकिन वोल्फ्सबर्ग के गोलकीपर कामिल ग्राबारा ने कई शानदार बचाव कर टीम को मुकाबले में बनाए रखा। निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 रहने के बाद मैच अतिरिक्त समय में पहुंचा।

अतिरिक्त समय के 10वें मिनट में लारिन कुर्दा ने शानदार वाली गोल दागकर पैडरबोर्न को निर्णायक बढ़त दिलाई। यही गोल टीम की ऐतिहासिक जीत का कारण बना और पैडरबोर्न ने तीसरी बार बुंडेसलीगा में प्रवेश किया।

वोल्फ्सबर्ग 1997 में पहली बार बुंडेसलीगा में पहुंचा था और तब से लगातार शीर्ष लीग का हिस्सा रहा। क्लब ने 2009 में बुंडेसलीगा खिताब और 2015 में जर्मन कप जीता था।

वहीं पैडरबोर्न की इससे पहले बुंडेसलीगा में दो बार एंट्री हुई थी, लेकिन दोनों मौकों पर टीम अगले ही सत्र में बाहर हो गई थी।

सिख प्रीमियर लीग

इंदौर। विष्णुपुरी के सचखंड मार्ग स्थित श्री गुरु अरजन देव जी खेल मैदान पर खेली जा रही चढ़दी कला ट्राफी सिख प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा में इन दिनों रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। चौके-छक्कों की बरसात के बीच खिलाड़ी मैदान पर अपनी खेल प्रतिभा का उम्दा प्रदर्शन कर रहे हैं। स्पर्धा के सातवें दिन सोमवार को खेले गए मैच में शेर-ए-पंजाब ने निमाड़ इलेवन पर 9 विकेट से एकतरफा और आसान जीत दर्ज की। मैच में टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी निमाड़ इलेवन की टीम शेर-ए-पंजाब की सधी हुई गेंदबाजी के आगे टिक नहीं सकी। टीम निर्धारित 8 ओवरों में 6 विकेट खोकर महज 46 रन ही बना सकी। निमाड़ इलेवन की ओर से सपन ने सर्वाधिक 19 रन और कप्तान निशांत ने 6 रनों का योगदान दिया। शेर-ए-पंजाब की तरफ से घातक गेंदबाजी करते हुए भाईजी सेवक सिंह और गुलदीप सिंह ने 2-2 विकेट चटकाए। आसान से लक्ष्य का पीछा करने उतरी शेर-ए-पंजाब की टीम ने साहिब सिंह की तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत केवल 4 ओवरों में 1 विकेट खोकर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। साहिब सिंह ने विपक्षी गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते हुए अपनी आतिशी पारी में 4 गगनचुंबी छक्के और 3 चौके जड़कर नाबाद 40 रन बनाए। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय, इंद्रजीत सिंह खनूजा और सुधीर कोल्हे मैदान पर पहुंचे और आयोजकों की इस पहल को सराहा। इस अवसर पर अमरजीत सिंह बग्गा और प्रीतपाल सिंह भाटिया भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

मेग लैनिंग ने विक्टोरिया अनुबंध छोड़ अपनाया फ्रीलांस क्रिकेटर का रास्ता

मेलबर्न

आस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग ने अगले सत्र के लिए विक्टोरिया का अनुबंध नहीं लेने का फैसला किया है और अब वह फ्रीलांस क्रिकेटर के रूप में खेलती नजर आएंगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी लैनिंग विक्टोरिया टीम का हिस्सा बनी हुई थीं, लेकिन पिछले सत्र में उन्होंने टीम के लिए केवल चार मुकाबले खेले थे। महिला बिग बैश लीग के बाद वह किसी भी मैच में नहीं उतरीं।

मेग लैनिंग इस समय दुनिया की विभिन्न फ्रेंचाइजी लीगों में खेल रही हैं। वह महिला प्रीमियर लीग में यूपी वारियर्स, द हंड्रेड में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स और इस सत्र में लंकाशायर के लिए टी-20 ब्लास्ट में हिस्सा ले चुकी हैं। लैनिंग फिलहाल मेलबर्न स्टार्स के साथ भी अनुबंधित नहीं हैं। हालांकि पिछले महिला बिग बैश लीग सत्र में वह टीम की दूसरी सबसे सफल बल्लेबाज रहीं। उन्होंने 53.22 की औसत और 136.07 के स्ट्राइक रेट से 479 रन बनाए थे। क्रिकेट विक्टोरिया की महिला क्रिकेट प्रमुख किर्बी शार्ट ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, हम मेग के फैसले का सम्मान करते हैं। महिला क्रिकेट तेजी से विकसित हो रहा है और खिलाड़ियों को अब दुनिया भर में खेलने के अवसर मिल रहे हैं। यह हमारे खेल के विकास का सकारात्मक संकेत है।

खराब सत्र पर विक्टोरिया ने जताई निराशा

किर्बी शार्ट ने स्वीकार किया कि 2025-26 सत्र विक्टोरिया के लिए बेहद निराशाजनक रहा, जहां टीम अपने सभी 12 मुकाबले हार गई थी।

उन्होंने कहा, हम पिछले सत्र के परिणामों पर गर्व नहीं कर सकते और हमें पता है कि हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हालांकि समीक्षा के बाद खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के बीच सकारात्मक माहौल बनाने को लेकर स्पष्ट समझ बनी है। उन्होंने आगे कहा कि टीम धीरे-धीरे सुधार की दिशा में आगे बढ़ना चाहती है और रातोंरात बदलाव की उम्मीद नहीं कर रही।

विक्टोरिया महिला टीम 2026-27 टीम

इरा एरी, सोफी डे, समारा डल्विन, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटाफ, किम गर्थ, हसरत गिल, ओलिविया हेनरी, मिली इलिंगवर्थ, रीस मैककेना, सोफी मोलिनेक्स, इंडिगो नोबल, मिया पेरिन, जार्जिया प्रेस्टविज, जो सैमुअल, मौली स्ट्रानो, एनाबेल सदरलैंड, टायला व्लेमिन्क, जार्जिया वेयरहैम और ब्रोंटे लीशम।

नार्वे शतरंज 2026 में भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत, प्रज्ञानानंद, गुकेश और दिव्या ने आर्मागेडन में दर्ज की जीत

ओस्लो (नार्वे)

नार्वे शतरंज 2026 की शुरुआत रोमांचक मुकाबलों के साथ हुई, जहां पहले ही दौर में क्लासिकल और आर्मागेडन दोनों प्रारूपों में जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। भारतीय खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए मजबूत शुरुआत की।

सोमवार को शुरू हुए इस प्रतियोगिता में दिन का सबसे बड़ा उलटफेर तब हुआ जब फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल मुकाबले में हरा दिया। मुकाबले के अधिकांश समय तक कार्लसन मजबूत स्थिति में नजर आ रहे थे, लेकिन समय के दबाव में उनसे बड़ी गलती हो गई, जिसका फायदा उठाते हुए फिरोजा ने जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर ने प्रतियोगिता में बढ़त बना ली।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद और वेस्ली सो के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा।

इसके बाद खेले गए आर्मागेडन मुकाबले में प्रज्ञानानंद ने आक्रामक खेल दिखाते हुए जीत हासिल की और अतिरिक्त अंक अपने नाम किए।

विश्व चैंपियन डी. गुकेश का सामना जर्मनी के शीर्ष खिलाड़ी विंसेंट कीमर से हुआ। एंडगेम में कीमर मजबूत स्थिति में पहुंच गए थे और जीत के करीब दिखाई दे रहे थे, लेकिन गुकेश ने शानदार बचाव करते हुए मुकाबला ड्रा कराया। इसके बाद आर्मागेडन टाईब्रेकर में गुकेश ने वापसी करते हुए जीत दर्ज की और महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक हासिल किए।

पहले दौर के बाद अलीरेजा फिरोजा क्लासिकल जीत के दम पर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

महिला वर्ग में दिव्या देशमुख की दमदार जीत – नार्वे शतरंज महिला प्रतियोगिता में भी पहले दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।

कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्साउबायेवा ने भारत की नंबर-1 खिलाड़ी कोनेरू हम्पी को क्लासिकल मुकाबले में हराकर बड़ा उलटफेर किया। उन्होंने मिडिलगेम में मिले अवसरों का शानदार फायदा उठाते हुए सटीक खेल से जीत दर्ज की। अन्ना मुजिचुक और झू जिनर के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा, जबकि आर्मागेडन में झू जिनर ने जीत हासिल की।

वहीं मौजूदा महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन और भारत की दिव्या देशमुख के बीच क्लासिकल मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। जू वेनजुन जीत के लिए लगातार दबाव बना रही थीं, लेकिन दिव्या ने शानदार संयम दिखाया। इसके बाद आर्मागेडन मुकाबले में दिव्या ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। पहले दौर के बाद महिला वर्ग में बिबिसारा अस्साउबायेवा शीर्ष पर हैं।

5 जून तक चलेगी प्रतियोगिता – नार्वे शतरंज 2026 का आयोजन 25 मई से 5 जून तक ओस्लो में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग के दो सुपर टूर्नामेंट समानांतर रूप से खेले जा रहे हैं। दोनों प्रतियोगिताओं में छह-छह खिलाड़ी डबल राउंड-राबिन प्रारूप में हिस्सा ले रहे हैं और दोनों के लिए समान पुरस्कार राशि रखी गई है।

इस टूर्नामेंट की खास बात इसका अनोखा प्रारूप है। यदि क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहता है तो विजेता तय करने के लिए आर्मागेडन मुकाबला खेला जाता है, जिससे हर दौर में निर्णायक परिणाम सुनिश्चित होता है।

मोलर गर्भधारण बन सकता है समस्या का कारण

मोलर गर्भधारण, गर्भावस्था की एक दुर्लभ समस्या को कहा जाता है। यह समस्या गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की गलती या कमी रह जाने के कारण उत्पन्न होती है, जिस कारण से नाल का निर्माण करने वाली कोशिकाओं में खराबी आ जाती है।

मोलर गर्भधारण मोलर गर्भाधान को कभी-कभी हाइडेटिडिफॉर्म मोल भी कहा जाता है। जो कि गेस्टेशनल ट्रोफोब्लास्टिक ट्यूमर्स नाम की कई स्थितियों के समूह का एक हिस्सा होता है। सामान्यतः ये हानिकारक नहीं होते हैं। यह गर्भाशय से आगे तक भी फैल सकते हैं। हांलाकि इनका अपचार किया जा सकता है। भ्रूण के विकास में आने वाली समस्या गर्भधारण की दर को कम करने वाली विकृति में मोलर गर्भधारण भी एक है। यह समस्या आमतौर पर गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उत्पन्न होती है। मोलर गर्भाधान हाइडेटिडिफॉर्म मोल के नाम से भी जाना जाता है। सामान्य गर्भावस्था में निषेचित अंडे में पिता और मां दोनों के 23-23 क्रोमोजोम मौजूद होते हैं। लेकिन, एक संपूर्ण मोलर गर्भाधान में निषेचित अंडे में माता का कोई क्रोमोजोम नहीं होता, किंतु पिता के शुक्राणुओं की संख्या दोगुनी हो जाती है। जिस कारण से पिता के क्रोमोजोम की संख्या भी दुगुनी हो जाती है। ऐसा होने पर निषेचित हुए अंडे में माता का एक भी क्रोमोजोम नहीं होता पर पिता के क्रोमोजोम के 2 सेट आ जाते हैं।

जानें कुछ और ऐसी ही महत्वपूर्ण बातें

- मोलर गर्भधारण की स्थिति में महिला का कोई क्रोमोसोम निषेचित अंडे में मौजूद नहीं होता और पुरूष के शुक्राणुओं की संख्या अधिक होने से क्रोमोजोम की संख्या दुगुनी हो जाती है।
- मोलर गर्भधारण होने पर त्रुटिपूर्ण ऊतकों का गुच्छा बनने लगता है जो कि अल्ट्रासाउंड में आसानी से दिखाई देता है।
- बी रक्त वाली महिलाओं में मोलर गर्भधारण की आशंका ज्यादा होती है।
- मोलर गर्भधारण में शुरूआती अवस्था सामान्य गर्भधारण के लक्षणों जैसी ही होती है लेकिन कुछ समय के अंतराल के बाद रक्तस्राव होने लगता है।
- गर्भवस्था में रक्तस्राव हमेशा किसी गंभीर रोग का लक्षण नहीं होता, पर यह मोलर गर्भधारण का लक्षण हो सकता है।
- मोलर गर्भधारण के बारे में आप अल्ट्रासाउंड स्कैन के माध्यम से पता कर सकते है।
- मोलर गर्भधारण का पता रक्तजांच के माध्यम से एचसीजी स्तर पता करके भी लगा सकते हैं। ऐसे में एचसीजी स्तर अधिक तेजी से बढ़ने लगता है।
- मोलर गर्भधारण के दौरान 6 से 16वें हफ्ते के बीच रक्त स्राव शुरू हो जाता है और उल्टियां आने लगती हैं, उदर में सूजन आना इत्यादि लक्षण भी दिखाई देने लगते हैं।
- मोलर गर्भधारण का पता चलने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- मोलर गर्भधारण में त्रुटिपूर्ण ऊतकों को हटाया जाता है जिसके लिए डी एंड सी (डायलेशन एंड क्युरेटेज) शल्य-चिकित्सा की जाती है या फिर दवाईयों के जरिए भी इसे दूर किया जा सकता है।
- इलाज के बाद दोबारा मोलर गर्भधारण न हो, इसके लिए लगभग 6 महीने तक निगरानी रखना आवश्यक है।
- मोलर गर्भधारण के इलाज के दौरान दोबारा गर्भधारण के लिए कुछ समय का अंतराल जरूरी है। जैसे 6 महीने तक लगातार जांच उसके बाद डॉक्टर की सलाह पर ही पुनः गर्भधारण की सोचें।

कैसी हो पानी की बोतल...

अक्सर लोग बोतल से पानी पी लेते हैं तो कुछ लोग प्लास्टिक के गिलास में पानी पीते हैं। बोतल और गिलास में बहुत वैराइटी आती है। आज हम आपको बताएंगे कि कौन सी बोतल पानी पीने के लिए हेल्दी है। बीपीए यानी बिसफेनोल ए एक खतरनाक रसायन है जो कि पानी के साथ मिलकर काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए जब भी आप प्लास्टिक की बोतल खरीदें तो इस बात का ध्यान रखें की आपकी बोतल बीपीए मुक्त हो। कांच की बोतल को नैचुरल चीजों जैसे लाइम और रेत से बनाया जाता है। इसलिए कांच की बोतल का इस्तेमाल ज्यादा बेहतर विकल्प हो सकता है। कांच की बोतल में पानी कितने ही दिन तक रखें लेकिन पानी का स्वाद नहीं बदलता जबकि प्लास्टिक की बोतल में पानी का स्वाद बदल जाता है। सूरज की किरणों से प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन काफी जल्दी पानी में मिल जाता है। ऐसे में प्लास्टिक की बोतल में पानी है तो उसे धूप से बचाएं। प्लास्टिक की बोतल को यदि ठीक से साफ न किया जाए, तो उसमें जीवाणु पैदा हो जाते हैं। वैसे भी प्लास्टिक से ज्यादा कांच की बोतल साफ करना ज्यादा आसान होता है। छोटे बच्चों को भी कांच की बोतल से ही दूध पिलाना बेहतर होता है। यूं तो कांच की बोतल टूटने का डर बरकरार रहता है। ऐसे में आप ऐसी कांच की बोतल लें जिस पर सिलिकॉन की एक परत चढ़ी हो जो कांच को जल्दी टूटने से बचाती है। प्लास्टिक की बोतल को साफ करने के लिए कड़े क्लीनर्स का इस्तेमाल न करें। खासतौर पर उन बोतलों को जिनमें पॉलीकार्बोनेट हो क्योंकि इससे पॉलीकार्बोनेट जल्दी टूटता है। गर्म पानी या तरल पदार्थों को प्लास्टिक की बोतलों में न रखें क्योंकि प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन इनमें मिक्स हो जाता है जिससे तरल पदार्थ खराब होने की आशंका रहती है। हर तरह की प्लास्टिक की बोतल को दोबारा इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जैसे कोल्ड ड्रिंक्स की बोतल, मिनरल पानी की बोतल। यदि आप गौर करेंगे तो इन बोतलों के नीचे सिरे पर एक त्रिकोण बना होता है जिस पर 1 लिखा होता है। इसका मतलब है कि इस बोतल का इस्तेमाल सिर्फ एक बार हो सकता है। इन बोतलों का दोबारा इस्तेमाल करने से आप बीमारियों को बुलावा दे रहे हैं।

घर और रिश्तों की परिभाषा बदली...

एक वक्त था जब लड़कियों की दुनिया शादी और शौहर के साथ जिंदगी बिताने के ख्वाबों में जाकर खत्म हो जाया करती थी। लेकिन यह वक्त दूसरा है और लड़कियों के ख्वाब दूसरे। इन दिनों दुनिया में अविवाहित महिलाओं की तादाद तेजी से बढ़ी है। यह ट्रेंड एशिया के देशों सहित तमाम मुल्कों में देखने को मिल रहा है। अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है।

ताइवान की नई नेता त्साई इंग-वेन पर चीन की सरकारी मीडिया में लिखे गए एक लेख पर बवाल मच गया है। लेख में कहा गया है कि शादीशुदा न होने के कारण त्साई इंग-वेन की काम करने की शैली उग्र है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लेख में कहा गया है कि वेन पर परिवार का भावनात्मक बोझ नहीं है इसलिए उनके काम करने की आक्रामक शैली है। कई महिलाएं त्साई की दृढ़ता और जोश की वजह से उनकी प्रशंसक हैं, खास कर इस तथ्य को लेकर भी कि वो बहुत मजबूत और आजाद महिला हैं और उन्हें किसी ऐसे पुरुष की जरूरत नहीं जो उनपर शासन करे। वास्तव में एशिया में महिलाओं का शादी से भागने का एक कारण यह भी है कि यहां एक शादीशुदा कामकाजी महिला के लिए ज्यादा मुश्किलें होती हैं। महिलाओं की प्राथमिकता अपने पति, उसके बुजुर्ग माता-पिता और बच्चों का ध्यान रखना होती है। काम के साथ-साथ उनसे यह भी उम्मीद की जाती है कि वे अपने इस रोल को भी कामयाबी के साथ निभाएं। वैसे तो यह दुनिया की हर महिला की परेशानी है, लेकिन एशियन महिलाओं पर यह बोझ ज्यादा लाद दिया जाता है।

आजादी का सेलिब्रेशन

अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है। पैसिफिक माइक्रोमार्केटिंग नामक अनुसंधान संस्था के अनुसार ज्यादा से ज्यादा महिलाएं जीवन भर अविवाहित रहने का फैसला कर रही हैं। ऐसे में बाजार और सरकार दोनों को यह स्वीकार करना होगा कि घर का मतलब अब पति-पत्नी और बच्चे नहीं रह गया है। शादी न करने का एक कारण यह भी है कि एशियन महिलाएं अपनी आजादी को इंजॉय करने लगी हैं। वे अपनी आजादी को सेलिब्रेट करने लगी हैं, पर इससे कई सामाजिक समस्याएं भी पैदा होने लगी हैं। अगर पश्चिमी देशों से तुलना की जाए तो एशिया के देश अपनी पेंशन और सोशल प्रोटेक्शन में बहुत कम इन्वेस्ट करते हैं। वे यह कल्पना कर लेते हैं कि बुढ़ापे या बीमार पड़ने पर उनका परिवार उनकी देखभाल कर लेगा। अब इस बात को इतनी आसानी से नहीं लिया जा सकता है। शादियों की संख्या में कमी आने से बर्थ रेट में भी गिरावट आई है। ईस्ट एशिया में 1960 के दौरान प्रत्येक महिला के 5.3 बच्चे होते थे जो कि अब 1.6 रेश्यो है। जिन देशों में शादियों की संख्या में गिरावट हो रही है, वहां फर्टिलिटी रेट 1.0 है। शादी करने से कोई भी व्यक्ति ज्यादा सोशल बनता है, लेकिन शादियों में कमी आने से सामाजिक व्यवहार में भी बदलाव आता है। शादियों में कमी से क्राइम रेट में इजाफा होता है। शादी होने से व्यक्ति फैमिली के साथ जुड़ा रहता है।

सामाजिक कारण भी

सामाजिक कार्यकर्ता मानते हैं कि महिलाओं के शादी देर से करने के पीछे मुख्य वजहों में से एक सामाजिक स्थितियां भी है। उनके मुताबिक शादी की महंगी आलीशान पार्टियां, शादी के बाद बढ़ने वाला खर्च और करियर को बिना किसी रोक-टोक को आगे ले जाने की इच्छा ने लड़कियों में शादी के प्रति गंभीरता को खत्म कर दिया है। मनोवैज्ञानिक महिलाओं के भीतर शादी के प्रति इस नीरसता के पीछे कई मनोवैज्ञानिक कारणों को गिनाते हैं। वे कहते हैं कि आज के हाईटेक होते समाज में इस तरह की मानसिकता स्त्री और पुरुषों दोनों में ही सामान्य है।

भारत में भी सिंगल पेरेंट

इक्कीसवीं सदी में शब्दकोश में सिंगल पेरेंट के नाम से एक नया शब्द जुड़ गया है। भारत में भी सिंगल पेरेंट का रिवाज बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। पहले बीमारी, युद्ध, मृत्यु के कारण सिंगल पेरेंट होना विवशता थी। तब विधवा या विधुर बच्चों का पालन करते थे। बच्चे वाली विधवा या बच्चे वाले विधुर को सिंगल पेरेंट के नाम से नहीं पुकारा जाता था। पहले कुंआरी मां की कल्पना भी नहीं की जाती थी, सभ्य समाज में कुंआरी मां बहुत घृणात्मक शब्द गिना जाता था, परंतु अब यह एक सामान्य शब्द है। अब इसे पसंद किया जाने लगा है। केवल इतना ही नहीं, अब तो यह रिवाज और स्टेटस सिंबल बन गया है। वैसे तो उस समय कोई कुंआरी मां नहीं थी, यदि होती भी तो ऐसी महिला को कोई किराए पर भी मकान नहीं देता था। यही स्थिति कुंआरे पुरुष की भी थी, परंतु अब समय बदल गया है। उस समय केवल विवाहित दंपती को ही बच्चे पैदा करने का अधिकार था। पति-पत्नी दोनों मिल कर बच्चों का पालनपोषण करते थे। पहले जब 2 विवाहित महिलाएं मिलती थीं, एक महिला अपने लड़के की ओर संकेत करती हुई कहती थी, इस के पिता बाहर गए हुए हैं, कहना नहीं मानता तथा बहुत परेशान करता है। कहने का तात्पर्य है कि माता-पिता दोनों मिल कर ही बच्चों का पालनपोषण करने में समर्थ थे, अकेले नहीं। यद्यपि माता की गरिमा पृथ्वी से भी भारी है तो पिता का सम्मान आकाश से भी उच्चतर है। इस के विपरीत अब सिंगल मदर सहर्ष फुलटाइम काम भी करती है तथा बच्चों को पालती भी है।

क्या बदलाव की गुंजाइश है ?

एशियाई देशों की सरकारों को अब इस भूल में नहीं जीना चाहिए कि उनके यहां फैमिली लाइफ पशिममी देशों से बेहतर है क्योंकि उनका यह भ्रम कभी भी टूट सकता है। दरअसल एशियाई देशों में जिस तरह से तेजी से सामाजिक बदलाव हो रहे हैं उससे इन देशों को अब संभलने की जरूरत है और इन बदलावों से कैसे निपटा जाए, सोचने की जरूरत है। क्या एशिया में शादियां दोबारा प्रचलन में आ सकती हैं? कुछ रास्ते हैं, जिनसे ऐसा हो सकता है। इसके लिए सरकार को भी कानून बनाने पड़ेंगे। महिलाएं शादी में तभी बंधना चाहेंगी जब उन्हें पता होगा कि अगर शादी काम नहीं करती तो वह इससे कभी भी आजादी पा सकती हैं। परिवार कानून के अंतर्गत तलाक लेने वाली महिला को संपत्ति का अच्छा खासा शेयर मिले। एशियाई देशों की सरकारों को ऐसे कानून बनाने चाहिए, जिसमें वे अपने कर्मचारियों को मेटरनल के साथ-साथ पेटरनल लीव भी दें। यानी बच्चे के पैदा होने के बाद मां के साथ-साथ पिता को भी छुट्टियां मिलें, जिससे पति-पत्नी दोनों मिलकर बच्चे की देखभाल कर सकें। इन कोशिशों से फैमिली लाइफ को प्रमोट करने में काफी मदद मिलेगी और महिलाओं के ऊपर से अतिरिक्त बोझ भी थोड़ा कम होगा।

महंगाई भी बनी वजह

अविवाहित महिलाओं की बढ़ती संख्या के पीछे लगातार बढ़ती महंगाई, नौकरी की अस्थिरता और आज की चमक-धमक वाली लाइफ स्टाइल भी है, जिसे शादी करके और परिवार बढ़ाकर मेंटेन करना बहुत मुश्किल है। यह आर्थिक जिम्मेदारी को बढ़ाने वाला काम है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि कई युवक और युवतियां मकानों की बढ़ती कीमतों, घरों के बढ़ते किराए और महंगाई के चलते शादी की जिम्मेदारी उठाने से बचते हैं। वे अकेले रहकर ज्यादा पैसा जोड़ना चाहते हैं और इस तरह शादी की उम्र बीतती रहती है।

भारत की स्थिति

जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, भारत में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या मे 39 फीसदी की वृद्धी हुई है। वर्ष 2001 में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 51.2 मिलियन पाई गई थी जबकि 2011 के आंकड़ों के अनुसार यह आंकड़े बढ़ कर 71.4 मिलियन हुए हैं। अकेली रहने वाली महिलाओं में विधवाएं, तलाकशुदा महिलाएं, अविवाहित एवं पति से अलग रहने वाली महिलाएं शामिल हैं। एकल महिलाओं की संख्या में वृद्धि की कारण पति की मृत्यु होना, पति से अलग होना एवं तलाक लेना है। 20 से 24 की आयु वर्ग की महिलाओं (16.9 मिलियन) में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 23 फीसदी है। यह आंकड़े संकेत है कि देश में लड़कियों की विवाह की उम्र और उपर हुई है। जनगणना के आंकड़ों के अनुसार 1990 में जहां लड़कियों की शादी की आयु 19.3 वर्ष थी वहीं 2011 में यह बढ़ कर 21.2 वर्ष हुई है। 20 से 24 वर्ष के आयु वर्ग के बाद सबसे अधिक अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 से 64 के आयु वर्ग में है। 2011 के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या सात मिलियन है। 2001 से 2011 के बीच 25 से 29 वर्ष के आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या में सबसे अधिक वृद्धि (68 फीसदी) देखी गई है, वहीं 20 से 24 आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी दर्ज की गई है। यह आंकड़े निश्चित तौर पर विवाह व्यवस्था में विकार का संकेत देती है। ग्रामीण इलाकों में विधवाओं की संख्या, 29.2 मिलियन, सबसे अधिक दर्ज की गई है। वहीं अविवाहित महिलाओं की संख्या 13.2 मिलियन पाई गई है। शहरी इलाको में भी स्थिति कुछ ऐसी ही है। यहां भी विधवा महिलाओं की संख्या सबसे अधिक, 13.6 मिलियन है जबकि अविवाहित महिलाओं की संख्या 12.3 मिलियन दर्ज की गई है। देश के ग्रामीण इलाकों में करीब 44.4 अकेले रहने वाली महिलाएं रहती हैं यानी देश की 62 फीसदी अकेले रहने वाली महिलाएं ग्रामीण क्षेत्र से हैं। हालांकि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या अधिक है, शहरों में अकली रहने वाली महिलाओं की संख्या में 58 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक 2001 में शहरी इलाकों में ऐसी महिलाओं की संख्या 17.1 मिलियन थी जबकि 2011 में यह बढ़ कर 27 मिलियन हुए हैं।

चीन की स्थिति

चीन के शहरों में अविवाहित महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। चीन में तेज आर्थिक प्रगति के बीच महिलाओं का वित्तीय विकास तेजी से हो रहा है। इस बीच ऐसी महिलाओं की संख्या भी बढ़ रही है जो शादी करने की बजाए अकेले जिंदगी गुजारना पंसद करती हैं। आर्थिक तरक्की के बीच महिलाओं को स्वतंत्र होकर रहने के बढ़ते चलन के बीच यहां के पारंपरिक समाज में उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक माना जाता है। जनगणना के मुताबिक शंघाई में पांच लाख से अधिक अविवाहित महिलाएं हैं, जिनकी उम्र 20 से 50 साल के बीच है। एक शोधकर्ता का कहना है, चीन के समाज में अब भी अविवाहित महिलाओं को 'एलियन' माना जाता है। यहां का मीडिया भी 30 पार कर चुकी अवविवाहित महिलाओं को अकेला करार देता है। युवा अविवाहित महिलाएं अब समाज में प्रचलित अपमानजनक लेबल शेंग नू या लेफ्टओवर वुमन को सख्ती से नकार रही हैं। वे साफ कर रही हैं कि अविवाहित महिलाएं कैसे अपनी सफलता और आत्मनिर्भरता का आनंद ले रही हैं। अपनी पहचान को केवल शादी से जुड़ा न मानते हुए वे पूरे समाज को इसे नए नजरिए से दिखा रही हैं। सफल अविवाहित लड़कियों पर एक खास उम्र तक शादी कर लेने का दबाव उन्हें पावर वुमन मानने के बजाए लेफ्टओवर वुमन की संज्ञा देने से नहीं चूकता। चीन के कई शहरों में लगने वाले शादी के बाजार भी अपने आप में अनोखे होते हैं। यहां शादी के लायक लड़के-लड़की के माता-पिता उनके इश्तेहार लगाते हैं।

जापान की स्थिति

जापानी महिलाएं जो कि ऑफिस में एक हफ्ते में 40 घंटे काम करती हैं, वहीं उन्हें 30 घंटे घर का काम भी करना पड़ता है। उनके पति घर का काम सिर्फ 3 घंटे करते हैं। ऑफिस और घर संभालने के साथ-साथ बच्चों को देखना उनके लिए बेहद मुश्किल हो जाता है। इस साल एक सर्वे के अनुसार जापानी पुरुषों की अपेक्षा बहुत कम जापानी महिलाएं शादी को लेकर पॉजिटिव महसूस करती हैं। बाहर के वर्क कल्चर ने शादी को लेकर महिलाओं को अकेले रहने का एक विकल्प दे दिया है। ज्यादातर महिलाएं फाइनैंशली इंडिपेंडेंट हैं और इस वजह से वे आसानी से अकेले जिंदगी गुजार सकती हैं। महिलाओं में बढ़ते एजुकेशन के ग्राफ ने भी शादियों की संख्या घटाई है। आज कई एशियन महिलाएं बेहद पढ़ी लिखी हैं और वे शादी को लेकर ज्यादा उत्सुक नहीं होती हैं।

सऊदी अरब का हाल

चौंकाने वाली बात यह है कि अविवाहित महिलाओं की संख्या के मामले में सऊदी अरब दूसरे पायदान पर है। एक तरह से सऊदी अरब दुनिया में अविवाहित महिलाओं और पुरुषों का गढ़ बनता जा रहा है। सऊदी समाज में हो रहे इस बदलाव को समाजशास्त्री और मनोवैज्ञानिक दोनों ही अलग-अलग निगाह से देखते हैं। सऊदी सरकार के विवाहित महिलाओं और पुरुषों की संख्या को लेकर जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 1995 के बाद से देश में अविवाहित महिलाओं की संख्या में तकरीबन 15 फीसदी का इजाफा हुआ है। ये पिछले दो दशको मे सर्वाधिक है। विशेषज्ञों की मानें तो अविवाहित महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी के मामले में अन्य देशों की तुलना में सऊदी अरब दूसरे नंबर पर है। उनके मुताबिक अकेले रहने वाली स्त्रियों की संख्या में अब तक की यह सबसे बड़ी बढोतरी है। सऊदी समाज में लगातार बढ़ती अविवाहित महिलाओं की संख्या के पीछे समाजशास्त्रियों की अपनी-अपनी राय है। विशेषज्ञ मानते हैं कि लड़कियां शादी का फैसला मानसिक और शारीरिक परिपक्वता के आधार पर करने लगी हैं, जब तक वे खुद को शादी के लिए इस स्तर पर तैयार नहीं पातीं तब तक वे शादी जैसे बंधन में बंधने से हिचकने लगी हैं।

अब बन गई सेकेंड स्किन...

वैज्ञानिकों ने एक ऐसी कृत्रिम त्वचा विकसित की है, जिसे आप किसी टाइट कपड़े की तरह शरीर पर पहन सकते हैं। मजे की बात यह कि कोई इसे देख नहीं पाएगा यानी यह कृत्रिम त्वचा तकरीबन अदृश्य होगी। शोधकर्ताओं ने इसे 'सेकेंड स्किन' नाम दिया है, क्योंकि इसे मूल त्वचा के ऊपर धारण किया जाएगा। इससे आपकी झुर्रियां नहीं दिखेंगी और आप अपनी वास्तविक उम्र से काफी जवां दिखेंगे। इसलिए इसे लेकर दुनियाभर में व्यापक जिज्ञासा है।

उम्र बढ़ने के साथ इंसान की त्वचा ढीली पड़ने लगती है और उसके अनेक हिस्सों में झुर्रियां पड़ने लगती हैं। ऐसा किसी बीमारी के कारण नहीं होता, बल्कि उम्र बढ़ने के साथ यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन, ज्यादातर लोग, खासकर महिलाएं, त्वचा की कसावट को बरकरार रखना चाहती हैं, ताकि ढलती उम्र में भी वे युवा दिख सकें।

इसके लिए महिलाएं अनेक प्रकार की कॉसमेटिक्स का इस्तेमाल करती हैं। साधन संपन्न परिवारों की महिलाएं इसके लिए नवीनतम तकनीक आधारित स्किन ट्रीटमेंट भी करवाती हैं।

अब इनके नए विकल्प के तौर पर वैज्ञानिकों ने 'सेकेंड स्किन' का विकास किया है, जिसे शरीर पर धारण किया जा सकेगा।

क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर

वैज्ञानिकों ने एक्सपीएल यानी क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर के रूप में इलास्टिक की तरह पहना जानेवाला एक नया प्रोडक्ट तैयार किया है, जिसमें प्राकृतिक त्वचा की तरह अनेक गुण मौजूद हैं और यह बिल्कुल उसका डुप्लीकेट प्रतीत होता है। एक्सपीएल एक ट्यूनेबल पॉलिसाइलोक्सेन आधारित मैटेरियल है, जिसे खास इलास्टिसिटी और ऐसे अनेक गुणों के साथ इंजीनियर्ड किया जा सकता है। एक्सपीएल को बिना किसी हीट या लाइट मीडिएटेड एक्टिवेशन के प्रयुक्त किया जा सकता है। हाल ही में इनसानों पर इसका एक पायलट अध्ययन किया गया है। इस दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि त्वचा के खिंचाव की दशा में एक्सपीएल के टेन्सिल मॉड्यूल्स ने ठीक वैसी ही प्रतिक्रिया दी, जैसी सामान्य प्राकृतिक त्वचा देती है। वैज्ञानिकों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि करार दिया है। इसके विकास से यह उम्मीद भी जगी है कि जल्द ही हम सनबर्न से सुरक्षा के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल कर पाएंगे। इसके अलावा एक्जिमा जैसी त्वचा की बीमारियों का इलाज भी इससे मुमकिन होगा। हालांकि, सामान्य लोगों में इसके प्रति जो उत्साह पैदा हुआ है, वह कुछ अलग तरीके का देखने में आ रहा है। उन्हें यह एहसास काफी गुदगुदाता है कि वे सुबह में इस डुप्लीकेट त्वचा को पहन लेंगे और दिनभर पहनने के बाद रात में उसे निकाल देंगे।

आंखों के नीचे पहला परीक्षण

शोधकर्ताओं ने इसका सबसे पहला परीक्षण इंसान की आंखों के हिस्से में किया है, जिससे बेहद आशाजनक नतीजे सामने आए हैं। शोधकर्ताओं को इससे एक नई उम्मीद जगी है कि वे शरीर के अन्य भागों में ढीली पड़ चुकी या झुर्रियोंवाली त्वचा को ठीक कर पाएंगे। इस शोध टीम में शामिल अमेरिका के मेसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के डेनियल एंडरसन का कहना है कि ओरिजनल स्किन पर पहनी जानेवाली यह अदृश्य परतवाली त्वचा मूल त्वचा को किसी प्रकार के बाहरी खराब असर से बचाती है, जिसके लिए आम तौर पर लोग दवाओं का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई है कि भविष्य में यदि इसे किसी अन्य कम्पोनेंट के साथ मिला कर कोई नया उत्पाद बनाया जाएगा, तो वह इनसान की त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने में सक्षम होगा। हालांकि, मौजूदा समय में त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए ज्यादातर लोग सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन लंबे समय तक इसका इस्तेमाल सही नहीं माना जाता और अनेक लोगों में उसका साइड इफेक्ट देखा गया है।

सुरक्षित रसायनों का इस्तेमाल

त्वचा रूपी इस 'सेकेंड स्किन' को बनाने में इस्तेमाल किए गए तत्व और रायायनिक पदार्थों को अमेरिका की संबंधित एजेंसी 'फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन' ने सुरक्षित बताया है। इसमें इस्तेमाल किए गए केमिकल्स साइलोक्सेंस हैं, जिसमें ऑक्सीजन का एक अणु और सिलिकॉन के दो अणु होते हैं। शोधकर्ताओं ने इनके आण्विक गुणों में सुधार करते हुए इनका एक बड़ा समूह तैयार किया और इन्हीं गुणों के आधार पर इस उत्पाद को विकसित करने में कामयाब हुए। उन्होंने इसे दो प्रक्रियाओं में विभाजित किया। पहला, पॉलिमर को अप्लाई किया, जो पूरी तरह से द्रव है। हालांकि, सीरीज में यह ज्यादा मजबूत नहीं होते, लेकिन अगले चरण में इसे दूसरे प्रोडक्ट के साथ जोड़ दिया जाता है। सीरीज की केमिस्ट्री में सुधार लाते हुए शोधकर्ता सेकेंड स्किन के गुणों में विविधता ला सकते हैं, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि उसका कैसे इस्तेमाल किया जाना है। बायोटेक्नोलॉजी विधा से संबंधित कैंब्रिज की एक निजी कंपनी लिविंग प्रूफ ने अपनी प्रयोगशाला में इसे विकसित किया है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)